वर्षः- 06
अंकः- 14
मुरादाबाद
(Tuesday)
05 May 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

# क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

मुरादाबाद से प्रकाशित

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

## पश्चिम बंगाल में भाजपा की प्रचंड जीतः मोदी बोले जनशक्ति की विजय, शाह ने कहा- भय और तुष्टीकरण पर करारा प्रहार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और जेपी नड्डा ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए इसे जनता के भरोसे, सुशासन और कार्यकर्ताओं के संघर्ष की जीत कहा। मोदी ने इसे जनशक्ति और विकास की राजनीति की जीत बताते हुए राज्य के सपनों को पूरा करने का भरोसा दिया।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत पर खुशी जताई है। पीएम मोदी ने एक्स पर कई पोस्ट किए हैं, जिसमें उन्होंने लिखा- पश्चिम बंगाल में कमल खिल उठा!

पश्चिम बंगाल विधानसभा के 2026 के चुनाव हमेशा याद रखे जाएंगे। जनता की शक्ति की जीत हुई है और भाजपा की सुशासन की राजनीति विजयी हुई है। मैं पश्चिम बंगाल के प्रत्येक नागरिक को नमन करता हूं। जनता ने भाजपा को शानदार जनादेश दिया है और मैं उन्हें विश्वास दिलाता हूं कि हमारी पार्टी पश्चिम बंगाल के लोगों के सपनों और आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। हम ऐसी सरकार प्रदान करेंगे जो समाज के सभी वर्गों को अवसर और सम्मान सुनिश्चित करे।पीएम मोदी ने एक दूसरे पोस्ट में लिखा- पश्चिम बंगाल में भाजपा की रिकॉर्ड तोड़ जीत पीढ़ियों से अनगिनत कार्यकर्ताओं के प्रयासों और संघर्षों के बिना संभव नहीं होती। मैं उन सभी को सलाम करता हूं। वर्षों से उन्होंने जमीनी स्तर पर कड़ी मेहनत की है, हर तरह की कठिनाइयों का सामना किया है और हमारे विकास एजेंडे के बारे में बात की है। वे हमारी पार्टी की ताकत हैं।शाह बोले- ज्ञस्ष्ट के भय पर मोदी के भरोसे की जीत
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने खुशी जताते हुए एक्स पर कई पोस्ट किए हैं। जिसमें उन्होंने लिखा- बंगाल की जनता को कोटि-कोटि नमन यह प्रचंड जनादेश भय, तुष्टीकरण और घुसपैठियों के संरक्षकों को बंगाल की जनता का करारा जवाब है। यह टीएमसी के %भय के ऊपर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर %भरोसे% की जीत है। मेरे जैसे हर भाजपा कार्यकर्ता के लिए यह गर्व का क्षण है कि गंगोत्री में मां गंगा के उद्गम से लेकर गंगासागर तक आज हर जगह भाजपा का भगवा ध्वज शान से लहरा रहा है।
त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम- शाह उन्होंने आगे लिखा- बंगाल में भाजपा को मिली यह ऐतिहासिक जीत हमारे असंख्य कार्यकर्ताओं के त्याग, संघर्ष और बलिदान का परिणाम है। यह उन परिवारों के धैर्य की जीत है, जिन्होंने हिंसा सहकर भी भगवा ध्वज नहीं छोड़ा। भाजपा की शून्य से आज प्रचंड बहुमत तक पहुंचने की इस कठिन यात्रा में जिन कार्यकर्ताओं ने अपने प्राणों की आहुति दी, हिंसा झेली, यातनाएं सहीं और फिर भी विचारधारा के पथ से डिगे नहीं, उन सभी कार्यकर्ताओं और उनके परिजनों को नमन करता हूं। बंगाल की जनता ने इस प्रचंड बहुमत से भाजपा के उन सभी शहीद कार्यकर्ताओं को श्रद्धांजलि दी है। इस ऐतिहासिक विजय के लिए मैं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, पश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी और बंगाल के कोने-कोने में डटे हर एक कार्यकर्ता को बधाई देता हूं।
घुसपैठियों और उनके हितैषियों को सिखाया सबक- शाह बंगालवासियों ने घुसपैठियों और उनके हितैषियों को ऐसा सबक सिखाया है, जिसे तुष्टीकरण की राजनीति करने वाली पार्टियां कभी भूल नहीं पाएंगी। बंगाल ने जिन आशाओं और आकांक्षाओं के साथ मोदी जी के नेतृत्व पर यह विश्वास जताया है, हम निश्चित रूप से उन्हें पूरा करेंगे। चैतन्य महाप्रभु, स्वामी विवेकानंद, कविगुरु टैगोर, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महापुरुषों की पावन भूमि बंगाल का खोया गौरव लौटाने और सोनार बांग्ला के स्वप्न को साकार करने के लिए भाजपा दिन-रात एक कर देगी। पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता का आभार- नितिन नवीन इस बीच भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने एक्स पर पोस्ट किया है। पश्चिम बंगाल की देवतुल्य जनता को इस ऐतिहासिक जनादेश के लिए कोटि-कोटि धन्यवाद, आभार एवं अभिनंदन। चैतन्य महाप्रभु , स्वामी विवेकानंद और हमारे पथप्रदर्शक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी महान विभूतियों की यह पावन धरा अब शांति, समृद्धि और सुशासन के एक नए युग की साक्षी बनेगी। यह विजय पश्चिम बंगाल की अस्मिता, संस्कृति और गौरव की पुनर्स्थापना का प्रतीक है। आदरणीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हम %सोनार बांग्ला% के संकल्प को साकार करने और राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए पूर्णतः समर्पित हैं। आइए, हम सब मिलकर एक सशक्त, सुरक्षित और समृद्ध बंगाल का निर्माण करें।
बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक महाविजय- जेपी नड्डा वहीं पूर्व भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने प्रतिक्रिया देते हुए इसे जनता के विश्वास और बदलाव की जीत बताया है। जेपी नड्डा ने कहा कि यह परिणाम भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए भावनात्मक और ऐतिहासिक क्षण है। उनके अनुसार पश्चिम बंगाल में मिली यह जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और जनकल्याणकारी नीतियों पर जनता की मुहर है। उन्होंने कहा कि यह जनादेश राज्य में बदलाव की इच्छा को दर्शाता है। लोगों ने विकास और सुशासन के पक्ष में मजबूत फैसला लिया है। जेपी नड्डा ने इस जीत के लिए पार्टी के राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व सहित बूथ स्तर के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी। साथ ही पश्चिम बंगाल की जनता का आभार भी व्यक्त किया गया।

## राहुल ने ममता-स्टालिन से की बात, चुनाव नतीजों पर चर्चा; टीवीके के प्रदर्शन पर विजय को बधाई भी दी

राहुल गांधी ने चुनाव नतीजों के बाद ममता बनर्जी और एम.के. स्टालिन से फोन पर बातचीत की। उन्होंने तमिलनाडु में टीवीके के प्रदर्शन पर विजय को बधाई दी और केरल में यूडीएफ की जीत पर आभार जताया।



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने हाल ही में आए पांच राज्यों के चुनाव नतीजों के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, डीएमके अध्यक्ष एम.के. स्टालिन और टीवीके प्रमुख विजय से फोन पर बातचीत की। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी ने चुनाव परिणामों पर चर्चा की और टीवीके के प्रदर्शन के लिए विजय को बधाई भी दी।जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा कि राहुल गांधी ने ममता बनर्जी और एम.के. स्टालिन से चुनाव नतीजों को लेकर बात की। साथ ही उन्होंने टीवीके प्रमुख विजय को उनकी पार्टी के प्रदर्शन पर शुभकामनाएं दीं। इस चुनाव में पश्चिम बंगाल में टीएमसी को भाजपा के हाथों हार का सामना करना पड़ा, जबकि तमिलनाडु में डीएमके को नए राजनीतिक दल टीवीके से चुनौती मिली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में अकेले चुनाव लड़ा, वहीं तमिलनाडु में डीएमके के साथ गठबंधन में हिस्सा लिया।केरल में यूडीएफ की जीत पर राहुल गांधी का संदेश राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक भावुक संदेश साझा करते हुए केरल की जनता का धन्यवाद किया। उन्होंने लिखा कि केरल के लोगों ने एक स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया है। उन्होंने अपने संदेश में कहा %केरल की मेरी बहनों और भाइयों का दिल से धन्यवाद, जिन्होंने एक मजबूत जनादेश दिया। हर यूडीएफ नेता और कार्यकर्ता को कठिन और सुव्यवस्थित चुनाव अभियान के लिए बधाई।% राहुल गांधी ने आगे कहा कि केरल में प्रतिभा और क्षमता की कोई कमी नहीं है और अब राज्य में यूडीएफ सरकार एक नई दृष्टि के साथ आगे बढ़ेगी। उन्होंने यह भी लिखा कि वे जल्द ही केरल परिवार से मिलने के लिए उत्सुक हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### राजनाथ सिंह बोले : डिफेंस की तरह नॉलेज कॉरिडोर करें तैयार, नई टेक्नालॉजी से सैन्य क्षेत्र में सशक्त बनेगा भारत

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सैन्य क्षेत्र में भारत को सशक्त बनाने के लिए डिफेंस कॉरिडोर की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें। ताकि उससे सीखकर हम आगे बढ़ सकें और देश और सैन्य क्षेत्र और में सशक्त कर सकें। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि सैन्य क्षेत्र में भारत को सशक्त बनाने के लिए डिफेंस कॉरिडोर की तरह नॉलेज कॉरिडोर तैयार करें। ताकि उससे सीखकर हम आगे बढ़ सकें और देश और सैन्य क्षेत्र और में सशक्त कर सकें। भारत की सैना हर मुश्किल का सामना करना में पूरी तरह से सक्षम है इसमें कोई संदेह नहीं है। उसका उदाहरण देश ने ऑपरेशन सिंदूर में देखा। न्यू कैंट में आयोजित रक्षा त्रिवेणी संगम सिम्पोजियम 2026 के उद्घाटन के मौके पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।रक्षा मंत्री ने कहा कि हमे ऐक्टिव नहीं प्रो एक्टिव रहने की जरूरत है। डिफेंस के क्षेत्र में चुनौतियां लगातार बढ़ रही हैं। दुश्मन हम पर हावी न हो सके इसलिए हम प्रो ऐक्टिव रहने की जरूरत है। हमें अपनी क्षमता विकसित करनी चाहिए। लहाज से हमें समय के साथ बदलने की जरूरत है और नई और अत्याधुनिक तकनीकि के माद्यम से आगे बढ़ने की जरूरत है। यह सिद्धांत बिल्कुल सत्य है कि जो समय के साथ चलेगा वही आगे रहेगाा। नई तकनीकी को आत्मसात करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि सिस्टम को मजबूत करने के लिए हर जरूरी कदम उठाया जा रहा है।

## ऊर्जा मंत्री का बड़ा फैसला- प्रदेश में स्मार्ट बिजली मीटर व्यवस्था हुई खत्म, 3.5 करोड़ उपभोक्ताओं को राहत

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने एक बड़ा फैसला लेते हुए बिजली के प्रीपेड मीटर की व्यवस्था को पूरी तरह से खत्म कर दिया। प्रदेश में सोमवार को बिजली उपभोक्ताओं को बड़ी राहत दी गई है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर की व्यवस्था पूरी तरह से खत्म कर दी गई। जिन उपभोक्ताओं के यहां प्रीपेड स्मार्ट मीटर लगे हैं, वे भी पोस्टपेड की तरह ही काम करेंगे।ऊर्जा



मंत्री एके शर्मा ने बताया कि उपभोक्ताओं की लगातार शिकायतें मिली रही थीं। विद्युत उपभोक्ताओं को स्मार्ट /प्रीपेड मीटर से आ रही तकनीकी दिक्कत के मद्देनजर फैसला लिया गया है कि सभी उपभोक्ताओं का स्मार्ट मीटर सामान्य पोस्ट-पेड मीटर की तरह ही कार्य करेगा। जैसे ही उपभोक्ता पहले मासिक बिल भरते थे वैसे ही हर माह की एक से 30 तारीख तक का बिल अगले दस दिन में एसएमएस या ह्वाट्सऐप पर भेजा जाएगा। बिल मिलने के बाद दी गई समय सीमा में उपभोक्ता को बिल जमा करना होगा। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि जिन उपभोक्ताओं ने फोन नंबर नहीं दर्ज कराया है वे तत्काल दर्ज करा लें और बिजली विभाग से आने वाले संदेश संदेश को ध्यान दें। ऊर्जा मंत्री ने कहा विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि किसी भी दशआ में माह के अंदर बिजली नहीं काटें। जिन उपभओक्ताओं का पहले से बकाया है, वे 10 किस्तो में भुगतान कर सकेंगे। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने एक्स पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर का फैसला वापस लेने संबंधी जानकारी देते हुए देवो भवः की बात कही और प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री को नमन किया। मुख्यमंत्री ने जताई थी नाराजगी- प्रदेश में 3.5 करोड़ उपभोक्ता हैं। करीब 87 लाख के यहां स्मार्ट मीटर लगाए गए, जिसमें 75 लाख के यहां स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए गए हैं। स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगने के बाद प्रदेशभर के उपभोक्ता विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उपभोक्ताओं का आरोप था कि स्मार्ट प्रीपेड मीटर तेज चल रहा है। अचानक बिजली कट जाती है। बिजली कटने पर उपभोक्ता रिचार्ज करते हैं और रिचार्ज करने के बाद भी तत्काल आपूर्ति शुरू नहीं होती है। इतना ही नहीं लोकसभा में केंद्रीय उर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टू ने भी स्मार्ट प्रीपेड मीटर अनिवार्य नहीं होने की जानकारी दी थी। विद्युत नियामक प्राधिकरण ने भी संशोधित अधिसूचना जारी कर दी थी। इसके बाद भी प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगाए जा रहे थे। पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में तकनीकी कमेटी बनाने और जांच कराने का निर्देश दिया था। चार सदस्यीय कमेटी बनाई गई, लेकिन 10 दिन में कमेटी रिपोर्ट नहीं आ पाई। उपभोक्ता परिषद की लड़ाई रंग लाई, सीएम का आभा- स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगना शुरू होते ही राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने विरोध शुरू किया। उन्होंने नियामक आयोग में याचिकाएं लगाईं।

## तमिलनाडु में TVK का होगा विजय तिलक, पिता ने कांग्रेस समेत कई दलों को दिया ऑफर

तमिलनाडु चुनाव परिणाम के बीच सियासी हलचल तेज हो गई है। अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को लेकर एस.ए चंद्रशेखर ने कांग्रेस समेत अन्य दलों से बड़ा गठबंधन करने की अपील की है।तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के वोटों की गिनती के बीच, प्रारंभिक रुझानों ने राज्य की राजनीति में एक बड़ा उलटफेर कर दिया है। अभिनेता विजय थलपति की नवगठित राजनीतिक पार्टी, तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) ने शुरुआती रुझानों में 109 सीटों पर बढ़त बनाकर सभी को चौंका दिया है। इस प्रभावशाली प्रदर्शन के सामने, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (ष्ठरूद्य) और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (ढ्डष्ठरूद्य) जैसी स्थापित पार्टियां काफी पीछे नजर आ रही हैं। पिता का बड़ा आह्वान- विजय के साथ जुड़ें, सत्ता वापस पाएं- टीवीके के मजबूत प्रदर्शन के बीच जाने-माने फिल्म निर्देशक और विजय थलपति के पिता एस.ए चंद्रशेखर ने राजनीतिक दलों से एक महत्वपूर्ण आह्वान किया है। पत्रकारों से बातचीत के दौरान, उन्होंने उन पार्टियों, विशेषकर कांग्रेस जैसी, जिन्होंने अपनी राजनीतिक जमीन खो दी है, से विजय की पार्टी के साथ गठबंधन करने का आग्रह किया। चंद्रशेखर का मानना है कि विजय के नेतृत्व में गठबंधन करने से ये पार्टियां अपनी खोई हुई सत्ता को वापस पा सकती हैं।जनता का असंतोष और बदलाव की चाह- एस.ए. चंद्रशेखर ने कहा कि ज्ञङ्कच को जनता का मिल रहा समर्थन इस बात का स्पष्ट



संकेत है कि लोग मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था से असंतुष्ट हैं और एक नए विकल्प की तलाश में हैं। उनके अनुसार, टीवीके की ओर जनता का झुकाव केवल एक पार्टी के प्रति समर्थन नहीं, बल्कि जनता के गुस्से और बदलाव की प्रबल इच्छा को भी दर्शाता है। लोग अब पारंपरिक पार्टियों से हटकर एक नई और युवा राजनीतिक शक्ति की ओर आकर्षित हो रहे हैं। अभिनेता से नेता तक का सफर- विजय थलपति के राजनीतिक सफर पर प्रकाश डालते हुए, उनके पिता ने कहा कि जनता ने उन्हें केवल एक अभिनेता के रूप में ही नहीं, बल्कि एक नेता के रूप में भी स्वीकार किया है। उन्होंने दावा किया कि विजय ने राजनीति में अत्यंत नेक इरादों के साथ कदम रखा है। विशेष रूप से, युवाओं ने उनकी पार्टी की विचारधारा और वादों को सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है, जो भविष्य के लिए एक मजबूत संकेत है। जनता के दिलों में %अन्ना% के रूप में विजय- एएनआई से बात करते हुए, एस.ए. चंद्रशेखर ने विजय की लोकप्रियता और जनता से जुड़ाव पर विस्तार से बात की। उन्होंने बताया कि पिछले 30 वर्षों से विजय के मन में तमिल लोगों के लिए कुछ करने की भावना थी, जिस पर उन्होंने धीरे-धीरे काम किया। आज, रुझान संकेत दे रहे हैं कि वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन सकते हैं। चंद्रशेखर ने कहा कि तमिल लोग विजय को सिर्फ एक नेता के रूप में नहीं, बल्कि अपने परिवार का सदस्य मानते हैं। महिलाएं उन्हें अपने बेटे के समान प्यार करती हैं, युवा उन्हें अपना भाई (%अन्ना%) मानते हैं, और बुजुर्ग महिलाएं भी उन्हें अपने पोते के समान स्नेह देती हैं। विजय ने जनता के साथ एक ऐसा गहरा रिश्ता बनाया है जो उन्हें खास बनाता है।

## संपादकीय Editorial

# The Congress Pledge

The upcoming local body elections will reveal how skilled and independent the district presidents of the Congress party are at the Kangra workshop. Are senior party leaders willing to embrace the idealism Rahul Gandhi has cultivated by mentoring the 62 district presidents of Punjab, Jammu and Kashmir, and Himachal Pradesh? From the organization to the polling booths, the Congress faces challenges against a party like the BJP, where daily strategic announcements are prepared, and election rehearsals are prepared during the coronation of the Panna Pramukhs. In fact, the Congress party's existence is obscured by the weight of its leaders rather than its workers, preventing it from observing the grassroots. It's surprising when victorious MLAs and ministers become VIPs and are forced to stare at the stage in political circles. Rahul Gandhi undoubtedly prepared a pledge document based on success stories, but to make the party worthy of its 24-hour efforts, its methods will have to be changed. Clearly, the Kangra pledge will be seen in Punjab, Jammu and Kashmir, and Himachal. If workers receive respect in the local body elections in Himachal, the party will be successful, otherwise it will have an impact on preparations for the upcoming assembly elections. Similarly, in the maze of the Punjab assembly elections, the Congress will have to reach out to the villages and farms to demonstrate its strength. As for Himachal, efforts to convey the government's economic difficulties to the people of the state have not yet proven effective, while the opposition BJP appears to be making every effort to corner the government on every front. There is no doubt that the Congress government in Himachal Pradesh took several major decisions, holding up numerous mirrors of the economic reality, which will be needed by every future government. The Sukhu government took some important, some systemic, decisions towards Himachal's self-respect and self-reliance, but these were not actively presented to the public at the party level. Many shortcomings emerged from the previous government's approach, but the Congress failed to raise a single major theme or issue. In such a situation, will the strategy emanating from Kangra become the propaganda mechanism for its own government? Ultimately, it remains to be seen how the Congress party translates Rahul Gandhi's platform messages into action at the grassroots level. If Rahul Gandhi is instructing the ruling party to go among the people and resolve problems, then it's essential to first understand the role of the government's zeal and the Revenue Department's proactive handling of thousands of cases like inheritances. If party workers can establish a shrine for the government's decisions in the hearts of the public, the spirit of Kangra will spread from there; otherwise, all ideals will crumble on the stage itself. However, the Congress party needs to perform a miracle in the local body elections, especially the municipal corporation elections. These elections in Dharamshala, Palampur, Solan, and Mandi are not just municipal elections, but also the administrative model of the Congress government. In this context, if the party's policies, guidelines, public outreach, empathy, and potential are to be reflected through the councilors, the Kangra content must be promoted. Whether Rahul Gandhi's message will resonate in these elections remains to be seen.

# Bihar Legislative Council By-Election: Samrat Chaudhary Hits Two Birds With One Stone

In the run-up to the 2025 Bihar Legislative Assembly Elections, Upendra Kushwaha had exerted tremendous pressure on the BJP high command by demanding 10 to 15 seats, highlighting the importance of the Kushwaha vote in Bihar politics. By filing Surya Kumar Sharma, also known as Arvind Sharma, for the Bihar Legislative Council by-election, Chief Minister Samrat Chaudhary has hit two birds with one stone. Voting for this seat, vacated by Mangal Pandey, will take place on May 12th. In fact, there are two leaders from the Kushwaha caste in the NDA in Bihar: Chief Minister and BJP leader Samrat Chaudhary and Rashtriya Lok Morcha National President and Rajya Sabha MP Upendra Kushwaha. This situation can be described as two swords in one sheath. In the run-up to the 2025 Bihar Legislative Assembly Elections, Upendra Kushwaha had exerted tremendous pressure on the BJP high command by demanding 10 to 15 seats, highlighting the importance of the Kushwaha vote in Bihar politics. However, the BJP high command had given five seats to the Rashtriya Lok Morcha. When the BJP high command gave the green light to the Hindustani Awam Morcha to contest six seats, Upendra Kushwaha once again expressed his displeasure, and the BJP allowed him to contest six seats as well. During the formation of the Nitish Kumar cabinet, Upendra Kushwaha once again surprised everyone by playing a trick. Instead of making his wife, Snehlata, an MLA, or his winning MLAs a minister, he made his son Deepak Prakash a minister. This sparked a rebellion from three party MLAs. Upendra Kushwaha made his son Deepak Prakash a minister because he is not a member of either house. Therefore, he would receive an additional MLC seat to retain his ministerial position. Deepak is currently not a minister due to the dissolution of the Nitish Kumar cabinet. On the advice of Samrat Chaudhary, the BJP has further compounded Upendra Kushwaha's difficulties by nominating Surya Kumar Sharma, also known as Arvind Sharma, to the Legislative Council. Kushwaha may now be forced to merge his party with the BJP, considering his son's interests. Upendra Kushwaha is also under pressure from the BJP to do so. In fact, the BJP was tolerating Upendra Kushwaha for the Kushwaha vote bank and was also troubled by his pressure politics. Now, the BJP has found a prominent leader from the Kushwaha caste in Samrat Chaudhary. He has killed another victim with a single shot, killing former Deputy Chief Minister Vijay Kumar Sinha. Given the caste politics, this has also completely complicated the future political career of Vijay Sinha, who belongs to the Bhumihar caste. Both Samrat Chaudhary and Vijay Sinha were Deputy Chief Ministers in the Nitish Kumar government. From the very beginning, there was a rift between the two, both in the Assembly and in public. Sitting next to Nitish Kumar or walking with him was a common sight. This can be gauged from the relationship between Samrat Chaudhary and Vijay Sinha. Upon becoming Chief Minister, Samrat Chaudhary reduced Vijay Sinha's security, downgrading it from Z+ to Z category. Samrat Chaudhary also overturned Vijay Sinha's decision. He revoked the suspension of 224 revenue employees, whom Sinha had suspended two and a half months earlier while he was Revenue Minister. He also replaced the Principal Secretary of the Revenue and Land Reforms Department. When choosing a leader, Vijay Sinha was required to propose the nomination. Vijay Sinha did propose the nomination, but he did not forget to mention that he had been asked to do so. Both Deputy Chief Ministers in Samrat Chaudhary's cabinet belong to the JDU. However, Vijay Kumar Chaudhary, also from the Bhumihar caste, is the Deputy Chief Minister of the JDU. In the expansion of Samrat Chaudhary's cabinet, Vijay Sinha can only become a minister, not a Deputy Chief Minister. In such a situation, would Vijay Sinha even want to become a minister? Now, Surya Kumar Sharma, also known as Arvind Sharma, could be a strong contender for the ministerial position from the Bhumihar quota.

# Nari Shakti Vandan and the Political Future of the Hills

The delimitation formula associated with the Nari Shakti Vandan Bill poses a major challenge for Uttarakhand. If the state's assembly seats are increased from 70 to 105, the population-based distribution appears to be biased against the hills. The Nari Shakti Vandan Act has created a highly complex and contradictory situation in Uttarakhand's current political discourse. The recent special session of the Uttarakhand Assembly has further intensified the political debate, which simultaneously supports women's empowerment and expresses concerns about the hidden dangers of delimitation. While a historic step is being taken to empower women, the invisible sword of delimitation looms large, potentially weakening the political foundation of Uttarakhand's mountainous existence. The state's greatest crisis is that a potential delimitation under the guise of reservation could shift the center of political power in the hills to the plains.

Power imbalance and the mathematics of delimitation - The delimitation formula associated with the Nari Shakti Vandan Bill presents a significant challenge for Uttarakhand. If the state's assembly seats are increased from 70 to 105, the population-based distribution appears to be biased against the hills. Until now, a fixed standard of "variation" has been used to allocate seats. Previously, an average population of 100,000 was set as the standard for one seat, with a 10% deviation allowed. Under this standard, one seat was allocated for every 110,000 population in the plains and one seat for every 90,000 population in the hills. However, given the current population imbalance, this 10% difference is proving insufficient to protect the hills' seats. Demand for a 25% deviation and regional concerns - In light of this crisis, a massive campaign is being launched by social activists and experts like Jyot Singh Bisht. They demand that for a state with diverse geographical conditions like Uttarakhand, this variation limit should be increased from 10 percent to 25 percent.

If this standard is adopted, seats in the hills with low populations will also receive constitutional protection, and seats in the hilly regions will not be reduced even after delimitation. This demand has become not merely political but an essential condition for preserving the existence of the hills, so that the "arithmetic of ends" based on population does not politically displace the geography of the hills. Geography vs. Population: A Complex Challenge - The state of Uttarakhand was formed not for general administrative convenience, but with the specific conditions of the hills in mind. During the special session of the Assembly, the argument that the basis for delimitation should not be based solely on the 2011 or 2027 census emerged prominently. The opposition and regional experts believe that "geographical conditions" must be prioritized in Uttarakhand. While an MLA in the plains can easily reach millions of people, in the mountains, a representative has to represent hundreds of kilometers of inaccessible and fragmented geography. If population alone is the basis, the mountain representation will become a minority in the House. The impact of migration and political displacement—the people of the mountains are facing a double punishment for their "sacrifice" and "compulsion." The people who were forced to migrate due to lack of facilities are now being stripped of their political identity by using the population decline resulting from that migration as a basis. This is an attack on the very concept of a "mountain state" for which enormous sacrifices were made during the statehood movement. The purpose of women's reservation is to give women participation in power, which is a commendable step. However, if its guise eliminates geographical representation, the mountain people will lose the power to decide on issues specific to the mountains, such as land laws and rights to resources. Existential protection and collective responsibility—the people of Uttarakhand must understand that the benefits of women's reservation are meaningful only if it does justice to the geographical peculiarities of the state. If delimitation does not give equal weight to 'Himalayan geography' and 'standard of deviation' as to population, Uttarakhand will appear as a mountainous state only on the map, while its political soul will have succumbed to the pressure of the plains. Now is the time to ensure, with the state's future in mind, that development and representation policies are based not merely on statistics, but on the pulse of the mountains and their difficult conditions. If a concrete debate against this political displacement is not raised today, future history will never forgive us for this silent 'sacrifice'.

# पत्नी और चार बच्चों का कत्ल: बिलारी के रजानगर में सिर्फ चीखें ही चीखें, एक सवाल- नाजिम को क्यों नहीं आया रहम

बिलारी के रजानगर में गुरुग्राम से मां और चार बच्चों के पांच शव पहुंचने पर पूरे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। देर रात सभी के जनाजे एक साथ उठे और शुमाली कब्रिस्तान में सुपुर्द-ए-खाक किया गया।जहां परिजनों की चीख-पुकार से माहौल गमगीन रहा।बिलारी मोहल्ला रजानगर के लिए रविवार की रात कयामत की रात बनकर आई। जैसे ही गुरुग्राम से एक परिवार के पांच शव पहुंचे तो रजानगर

ही नहीं लगभग पूरा शहर उमड़ पड़ा। एक मां और उसकी चार मासूम संतानों के शवों को देखते ही परिजनों की चीखें गूंजने लगीं तो पूरे मोहल्ले के महिला-पुरुषों की रुलाई फूट गई। किसी के चेहरे पर गम था तो किसी के गुस्सा लेकिन मन में एक ही सवाल कि हेयर सैलून संचालक नाजिम इतना बेरहम कैसे हो गया कि प्रेम संबंधों में अपने पहले पति को छोड़कर कोर्ट मैरिज करने वाली नाजमा और बच्चों इकरा, शिफा, आयान और खदीजा नूर की जान ले ली।रात करीब 9.30 बजे पांचों शव शाहबाद रोड स्थित मोहल्ला रजानगर पहुंचे तो जिसने सुना उधर दौड़ पड़ा। चीख-पुकार और चीत्कार के बीच रात करीब 11 बजे पांचों जनाजे साथ उठे तो चीखों की आवाज और तेज हो गई। बिलारी के शुमाली स्थित कब्रिस्तान में पांचों को दफन किया गया। नाजिम के घर से लेकर कब्रिस्तान तक लोगों के सिर ही सिर दिखाई दे रहे थे।घर से उठतीं महिलाओं की चीखें थमने का नाम नहीं ले रही थीं। देर रात तक जमा भीड़ में शामिल आसपास की महिलाएं व रिश्तेदार बिलखते परिजनों को ढांढस बंधाने की कोशिशें करते रहे। तमाम शहरियों और विधायक फहीम इरफान ने भी गम में घिरे परिवार का दुख बांटने की कोशिश की लेकिन परिजनों की बहती आंखें सूख नहीं पा रही थीं। नाजिम की वृद्ध मां परवीन और वृद्ध पिता नबावजान रोते-रोते बेसुध हो जा रहे थे।हेयर सैलून चलाते हैं सभी छह भाई मोहल्ला रजानगर के निवासी नवाबजान का बेटा नाजिम (33) गुरुग्राम के वजीरपुर में किराये के मकान में पत्नी व चार बच्चों के साथ रहता था। गुरुग्राम के एक अन्य गांव में वह हेयर सैलून चलाता था। उसके अन्य पांच भाई भी सैलून चलाते हैं। नाजिम इनमें दूसरे नंबर का है। नाजिम से बड़े भाई आसिम और छोटे भाई सलमान की शादी हो चुकी है। नाजिम के तीन सगे छोटे भाई जीशान, अरमान और रानू अभी अविवाहित हैं। यह तीनों एक साथ वजीरपुर (गुरुग्राम) में किराये के मकान में रहते हैं।पोती-पोते का फोन पर हालचाल लेती रहती थीं बुजुर्ग परवीन- नाजिम के बड़े भाई आसिम के अनुसार उसकी मां परवीन नाजिम की तीनों बेटियों और बेटे से काफी प्यार करती थीं। वह ईद व अन्य मौकों पर फोन करके नाजिम को सपरिवार बिलारी बुलाती थीं। पोते-पोतियों का फोन पर हाल जानती रहती थीं।मामा ने बताया कि नशे का आदी है, घर के खर्च में आने लगी थी दिक्कत- नाजिम के सगे मामा पूर्व सभासद सखावत सलमानी ने बताया कि नाजिम वजीरपुर में रहने के दौरान कई वर्ष से नशा करने लगा था। नशा की वजह से उसकी पत्नी नाजमा से अनबन रहने लगी। बड़े भाई ने भी माना कि उसका अक्सर पत्नी से विवाद होता था। नशे की आदत बढ़ जाने से नाजिम को परिवार का खर्च उठाने में भी समस्या आने लगी थी।16 साल पहले नाजिम ने दिल्ली में नाजमा से की थी कोर्ट मैरिज- नाजिम के बड़े भाई आसिम ने बताया कि 16 साल पहले जब नाजिम दिल्ली में एक सैलून पर काम करता था तभी उसने नाजमा से मोहब्बत के बाद कोर्ट मैरिज की थी। वह पहले से शादीशुदा थी। नाजिम ने घरवालों को बताए बिना कोर्ट मैरिज की थी। नाजिम अपनी पत्नी नाजमा को लेकर कभी कभार ही रिश्तेदारों की शादी जैसे मौकों पर बिलारी आता था।रामपुर का है परिवार, 25 साल पहले बिलारी में बसे थे  नाजिम की बिलारी के मोहल्ला रजानगर में ननिहाल है। नाजिम के सगे मामा सखावत हुसैन सलमानी नगर पालिका बिलारी के पूर्व सभासद हैं। नाजिम का परिवार मूल रूप से रामपुर जिले के थाना पटवाई अंतर्गत नबावगंज गांव का रहने वाला है। नवाबगंज में कोई काम न मिलने की वजह से नाजिम की मां परवीन अपने पति और बच्चों को लेकर मायके बिलारी आ गई थीं। बेटों ने काफी साल पहले रजानगर में मिलकर प्लॉट खरीद लिया था और अपना पक्का मकान बनाया।बिलारी के युवक ने गुरुग्राम में की पत्नी व चार बच्चों की गला दबाकर हत्या- बिलारी के एक व्यक्ति ने हरियाणा के गुरुग्राम में शनिवार देर शाम अपनी पत्नी और चार बच्चों की गला दबाकर हत्या कर दी। आशंका जताई जा रही है कि उसने हत्या से पहले पत्नी व बच्चों को जहरीला पदार्थ भी दिया था। हत्या के बाद आरोपी ने चाकू से अपना गला व हाथ काटकर आत्महत्या करने की कोशिश की। पांच लोगों की हत्या का यह सनसनीखेज मामला गुरुग्राम सेक्टर-10 पुलिस थाने के अंतर्गत आने वाले वजीरपुर गांव का है। मामला घरेलू कलह का बताया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मृतकों के गले पर दबाने के निशान मिले हैं। पुलिस ने आरोपी नाजिम (35) के खिलाफ हत्या समेत अन्य धाराओं के तहत केस दर्ज किया है। नाजिम मुरादाबाद के बिलारी का रहने वाला है। वह पत्नी और बच्चों के साथ पिछले छह महीने से वजीरपुर गांव में किराये के मकान में रह रहा था।नाजिम गढ़ी हरसरू गांव में सैलून चलाता है। मृतकों की पहचान 31 वर्षीय नाजमा (पत्नी), इकरा (13), शिफा (11), आयान (7) व खदीजा नूर (6) के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, नाजिम का भाई जीशान खाना खाने के लिए कमरे पर पहुंचा तो भाभी व बच्चों को मृत अवस्था में पाया। सभी के मुंह से झाग निकल रहे थे।जबकि नाजिम लहूलुहान हालत में था। घटना की सूचना मिलने पर रात करीब 9 बजे पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) करण गोयल और एसीपी नवीन शर्मा मौके पर पहुंचे। बाद में एफएसएल, फिंगरप्रिंट व सीन ऑफ क्राइम की टीमें भी वारदात वाली जगह पहुंचीं। पुलिस उपायुक्त गोयल ने बताया कि आरोपी का सेक्टर-10 स्थित नागरिक अस्पताल में इलाज चल रहा है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जाएगी।बिलारी से जाकर किराये पर रह रहा था आरोपी नाजिम- मोहम्मद नाजिम मूलरूप से मुरादाबाद के बिलारी का रहने वाला है। करीब छह माह पहले ही गुरुग्राम के वजीरपुर गांव में किराये पर कमरा लिया था और गढ़ी हरसरू में खुद का सैलून चलाता है। बताया जा रहा है कि ओडिशा की रहने वाली नाजमा की यह दूसरी शादी थी। पहली शादी से बड़ी बेटी इकरा थी। मोहम्मद नाजिम से शादी के बाद नाजमा को दो बेटी शिफा, खदीजा व बेटा आयान हुए।नाजमा अपने चाचा के घर पर दिल्ली-नोएडा सीमा स्थित न्यू अशोक नगर में रहती थी। नाजिम भी वहीं पास ही सैलून में काम करता था। न्यू अशोक विहार में रहने के दौरान ही नाजमा व नाजिम की मुलाकात हुई थी और दोनों के बीच प्रेम संबंध हो गए थे। बताया जा रहा है कि उस समय नाजमा की शादी हो चुकी थी व एक बेटी भी थी। वहीं, नाजिम की शादी नहीं हुई थी। इसके बाद दोनों ने शादी करने का फैसला किया तो नाजमा के परिवार वालों ने विरोध किया।प्रारंभिक तौर की जांच में सामने आया है कि आरोपी के घर में कोई अंदरूनी कलह चल रही थी, जिस कारण उसने यह कदम उठाया है। आरोपी से पूछताछ के बाद ही मामले में सही जानकारी मिल सकेगी। फिलहाल मामले की गहनता से जांच की जा रही है। - नवीन शर्मा, एसीपी (पश्चिम), गुरुग्राम।

# शटडाउन के बाद भी लाइन में दौड़ा करंट, लाइनमैन की मौत से हड़कंप, जेई निलंबित और एसएसओ बर्खास्त

शटडाउन के बावजूद हाईटेंशन लाइन में अचानक करंट आने से सुरजननगर बिजलीघर के लाइनमैन सर्वेश कुमार (38) की खंभे पर काम करते समय मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने बिजलीघर पर हंगामा

निलंबित और एसएसओ हरपाल बाद भी हाईटेंशन लाइन में करंट सर्वेश कुमार (38) की मौत हो गुस्साए परिजन और ग्रामीणों ने लोगों पर गंभीर आरोप जेई प्रेम प्रकाश पटेल को हरपाल को बर्खास्त कर दिया गई है। वहीं सर्वेश कुमार के बेटे खिलाफ तहरीर दी गई बिजली घर पर लाइनमैन थे। लाइन में कोई फाल्ट आ गया है। लाइन को ठीक करने के लिए खंभे पर चढ़कर काम कर रहे थे, जिम्मेदारों की लापरवाही से शरीर बुरी तरह से झुलस गया। किया मामले में जेई प्रेम प्रकाश पटेल को को बर्खास्त कर दिया गया है। शटडाउन के दौड़ जाने से पोल पर काम कर रहे लाइनमैन गई। रविवार शाम को हुई इस घटना से बिजली घर पर हंगामा करते हुए विभागीय लगाए।बिजली अफसरों ने इस मामले में निलंबित कर दिया गया है जबकि एसएसओ गया है। पूरे मामले की जांच भी शुरू करा दी ने बिजलीघर के जेई और एसडीओ के है।भवानीपुर निवासी सर्वेश कुमार सुरजननगर दूल्हापुर मढ़ैया गांव से सूचना आई थी कि उन्होंने बिजली घर से शटडाउन लिया और चले गए। शाम को करीब 4:30 बजे वह तभी अचानक सप्लाई चालू हो गई। विभागीय हादसा- परिजन हाईवोल्टेज करंट से उनका आनन-फानन ठाकुरद्वारा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। कुछ ही देर में सूचना पाकर परिवार के लोग भी मौके पर पहुंच गए थे। परिजनों का आरोप है कि विभागीय जिम्मेदारों की लापरवाही से यह हादसा हुआ। उनका कहना है कि वह लोग बिजली घर पहुंचे तो वहां कोई जिम्मेदार तक मौजूद नहीं था। एसडीओ और जेई को कई बार फोन किया गया, लेकिन किसी ने फोन तक नहीं उठाया। इससे आक्रोशित लोगों ने बिजली घर पर पहुंचकर जमकर हंगामा किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। ,जनप्रतिनिधि भी पहुंचे अस्पताल-घटना की सूचना मिलते ही सपा विधायक नवाब जान खां और भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष राजपाल सिंह चौहान समेत कई सियासी दलों के लोग अस्पताल पहुंचे। उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर शोक जताया और अधिकारियों से फोन पर बात कर कड़ी नाराजगी जाहिर की। विधायक के अनुसार विभाग की ओर से नियमानुसार 10 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने का आश्वासन दिया गया है। लाइनमैन शटडाउन लेकर ही काम करने गए थे। इसके बाद भी सप्लाई चालू हो गई। इस मामले में जेई प्रेम प्रकाश पटेल को दोषी मानते हुए निलंबित कर दिया गया है। एसएसओ हरपाल की सेवा समाप्त की जा रही है। दोनों ही मौके से गायब हैं। - गुलशन गोयल, अधीक्षण अभियंता, देहात- संविदा कर्मियों में आक्रोश, बोले चार माह में दूसरी घटना- इस घटना के बाद से पश्चिमांचल के संविदा कर्मियों में आक्रोश है। संगठन में पश्चिमांचल क्षेत्र के संयुक्त मंत्री राजकुमार शर्मा का कहना है कि चार माह में यह दूसरी घटना है। इससे पहले मुरादाबाद में रवि सैनी की इसी तरह मौत हो गई थी। पीड़ित परिवार मुआवजे के लिए अधिकारियों के दफ्तरों के चक्कर लगाता रहा। वहीं ठाकुरद्वारा मामले में लाइनमैन सर्वेश की पत्नी नीतू कांबोज, पुत्र वंश और बेटी आयना का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने मृतक के बेटे को बिजली विभाग में स्थायी नौकरी और अतिरिक्त मुआवजे की मांग उठाई है। नेताओं ने भी इस मांग को आगे बढ़ाते हुए चीफ इंजीनियर से हस्तक्षेप की बात कही है।

## संक्षिप्त समाचार

### मुरादाबाद और संभल के डीएम बदले गए, राजेंद्र पैंसिया और अंकित खंडेलवाल को मिली जिम्मेदारी

शासन ने मुरादाबाद और संभल समेत अन्य जिलों के डीएम बदल दिए हैं। संभल के डीएम रहे राजेंद्र पैंसिया को मुरादाबाद की जिम्मेदारी दी गई है। इसके अलावा अंकित खंडेलवाल को संभल भेजा गया है।सरकार ने रविवार की देररात रात आठ जिलों के डीएम समेत 38 आईएएस अफसरों का तबादला कर दिया। मुरादाबाद, संभल, देवरिया, जौनपुर, मऊ, महराजगंज, फिरोजाबाद और प्रतापगढ़ में नए जिलाधिकारी तैनात किए गए हैं। तकनीकी इस्तीफा देने वाले रिंकू सिंह राही के इस्तीफा वापस लिए जाने के बाद उन्हें जालौन का संयुक्त मजिस्ट्रेट बनाया गया है।मधुसूदन हुल्गी विशेष सचिव मुख्यमंत्री तथा अपर आवास आयुक्त आवास विकास परिषद से डीएम देवरिया, सैमुअल पाल एन प्रबंध निदेशक केस्को व अपर आयुक्त राज्य कर कानपुर प्रथम से डीएम जौनपुर, आनंद वर्धन उपाध्यक्ष गोरखपुर विकास प्राधिकरण से डीएम मऊ, गौरव सिंह सोगरवाल नगर आयुक्त गोरखपुर से डीएम महराजगंज, संतोष कुमार शर्मा डीएम महराजगंज से डीएम फिरोजाबाद, संभल के डीएम को मुरादाबाद का डीएम बनाया गया है।अंकित खंडेलवाल नगर आयुक्त आगरा से डीएम संभल, अभिषेक पांडेय अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद से डीएम प्रतापगढ़ बनाए गए हैं। शिव सहाय अवस्थी डीएम प्रतापगढ़ से मुख्य कार्यपालक अधिकारी उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण, अनुज सिंह डीएम मुरादाबाद से विशेष सचिव मुख्यमंत्री, अभिनव गोयल मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद से उपाध्यक्ष गोरखपुर विकास प्राधिकरण बनाए गए हैं।

अजय जैन मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ से नगर आयुक्त गोरखपुर, डा. अल्का वर्मा निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं से विशेष सचिव वित्त तथा रजिस्ट्रार चिट्स एवं सोसायटी यूपी, निधि बंसल प्रतीक्षारत से निदेशक (प्रशासन) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं बनाई गई हैं। डा. दिनेश चंद्र डीएम जौनपुर से विशेष सचिव लोक निर्माण विभाग, प्रवीण मिश्रा डीएम मऊ से विशेष सचिव समाज कल्याण तथा सचिव अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग, रमेश रंजन डीएम फिरोजाबाद से अपर भूमि व्यवस्था आयुक्त राजस्व परिषद बनाए गए हैं।

दिव्या मित्तल डीएम देवरिया से विशेष सचिव राजस्व विभाग, चंद्र शेखर प्रतीक्षारत से विशेष सचिव सिंचाई एवं जल संस्थान विभाग, नेहा जैन विशेष सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रानिक तथा प्रबंध निदेशक यूपी डेस्को से प्रबंध निदेशक केस्को बनाई गई हैं। समीर विशेष सचिव वित्त तथा रजिस्ट्रार चिट्स एवं सोसायटी से विशेष सचिव आईटी एवं इलेक्ट्रानिक तथा प्रबंध निदेशक यूपी डेस्को, सी इंदुमती विशेष सचिव चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास विभाग एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक राज्य चीनी निगम से निदेशक महिला कल्याण उत्तर प्रदेश तथा प्रबंध निदेशक महिला कल्याण निगम बनाई गई हैं।

वंदना वर्मा निदेशक महिला कल्याण तथा प्रबंध निदेशक महिला कल्याण निगम से विशेष सचिव चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक राज्य चीनी निगम, राजेंद्र सिंह द्वितीय विशेष सचिव समाज कल्याण विभाग तथा सचिव उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग से सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद प्रयागराज, प्रेम प्रकाश विशेष सचिव राजस्व विभाग से सदस्य (न्यायिक) राजस्व परिषद प्रयागराज बनाए गए हैं। अंकुर कौशिक मुख्य कार्यपालक अधिकारी उप्र राज्य ग्रामीण सड़क विकास प्राधिकरण से उपाध्यक्ष कानपुर विकास प्राधिकरण, अवनीश सक्सेना सचिव उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग से विशेष सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक बनाए गए हैं। हरिकेष चौरसिया विशेष सचिव आयुष से सचिव उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, मदन सिंह गर्ब्याल उपाध्यक्ष कानपुर विकास प्राधिकरण से विशेष सचिव आयुष, सान्या छाबड़ा मुख्य विकास अधिकारी हरदोई से अपर आयुक्त राज्य कर कानपुर प्रथम, प्रफुल्ल कुमार शर्मा संयुक्त मजिस्ट्रेट रायबरेली से मुख्य विकास अधिकारी लखनऊ बनाए गए हैं। नेहा ब्याडवाल संयुक्त मजिस्ट्रेट जालौन से मुख्य विकास अधिकारी हरदोई, आलोक प्रसाद संयुक्त मजिस्ट्रेट बहराइच से मुख्य विकास अधिकारी गाजीपुर बनाए गए हैं। कुमार सौरभ संयुक्त मजिस्ट्रेट जौनपुर से मुख्य विकास अधिकारी गाजियाबाद, दयानंद प्रसाद अपर मेलाधिकारी माघ मेला प्रयागराज से मुख्य विकास अधिकारी गोंडा, जुहेर बिन सगीर विशेष सचिव सामान्य प्रशासन से विशेष सचिव एनआईआर विभाग बनाए गए हैं। रिंकू सिंह राही संबद्ध राजस्व परिषद से संयुक्त मजिस्ट्रेट जालौन बनाए गए हैं। तहसीलदार के आरोपों के बाद चर्चा में आए रमेश रंजन को फिरोजाबाद के डीएम पद से हटा दिया गया है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

# पुलिस लाइन में जागरूकता की मिसाल बना महिला स्वास्थ्य कार्यक्रम

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पुलिस लाइन स्थित रवींद्रालय में महिलाओं के स्वास्थ्य को समर्पित एक प्रेरणादायक पहल के तहत वामा सारथी के तत्वावधान में BOGS, IMA एवं Women Welfare Committee द्वारा आयोजित महिला स्वास्थ्य जागरूकता एवं कल्याण कार्यक्रम रविवार को गरिमामय ढंग से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना, समय पर जांच के महत्व को समझाना तथा विभिन्न स्त्री रोगों से जुड़ी अहम जानकारी देना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एडीजी रमित शर्मा रहे । जिनकी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष गरिमा प्रदान की। इस अवसर पर एसएसपी अनुराग आर्य, एसपी साउथ अंशिका वर्मा एवं आईपीएस सोनाली मिश्रा भी मौजूद रहीं। कार्यक्रम में चिकित्सा जगत के कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञों ने सहभागिता की, जिनमें डॉ. लतिका अग्रवाल (अध्यक्ष, BOGS), डॉ. अतुल श्रीवास्तव (अध्यक्ष, IMA), डॉ. अनीता नाथ (सचिव, BOGS) एवं डॉ. अंशु अग्रवाल (सचिव, IMA) प्रमुख रहे । आयोजित शैक्षणिक सत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों ने महिलाओं से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से प्रकाश डाला। इनमें सर्वाइकल कैंसर जागरूकता एवं ॥क्क्ष्ठ वैक्सीनेशन, योनि स्राव की समस्या, मासिक धर्म की अनियमितताएं तथा एनीमिया जैसे विषय शामिल रहे। महिलाओं ने इन सत्रों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया।कार्यक्रम के अंतर्गत लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में LBC स्क्रीनिंग के जरिए 35-45 वर्ष की महिलाओं की सर्वाइकल कैंसर जांच की गई। साथ ही CBC टेस्ट द्वारा एनीमिया एवं ब्लड शुगर जांच भी की गई। महिलाओं के CBC टेस्ट के साथ साथ सौ से अधिक लोगों की ब्लड शुगर जांच कराई गई । IMA अध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव ने कहा कि महिलाओं का स्वास्थ्य ही परिवार और समाज की मजबूती की आधारशिला है। ऐसे कार्यक्रम न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं बल्कि समय पर जांच और उपचार के लिए प्रेरित भी करते हैं । कार्यक्रम को सफल बनाने में आयोजन समिति के सदस्यों डॉ. अनुजा सिंह (कोषाध्यक्ष), डॉ. दरख्शान अब्बास (क्लीनिकल सेक्रेटरी), डॉ. रुचि श्रीवास्तव एवं डॉ. आशु सक्सेना (मास्टर ऑफ सेरेमनी) सहित पूरी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा।



# बरेली चौपला स्थित अंडरपास की मांग को लेकर डीआरएम को सौंपा ज्ञापन , संघर्ष तेज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिटी स्टेशन रोड सी एल हैरिटेज होटल में आज सोमवार को आयोजित प्रेस वार्ता में सुभाषनगर, मढीनाथ, नेकपुर और बदायूं रोड के निवासियों के साथ पार्षद राजेश अग्रवाल ने चौपला फ्लाईओवर पर लगने वाले जाम और जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से रोजाना हजारों स्थानीय लोग और अन्य जिलों के राहगीर गुजरते हैं, जिससे जाम की स्थिति बनी रहती है। फ्लाईओवर की मरम्मत के नाम पर 45 दिनों तक इसे बंद किए जाने से जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पार्षद राजेश अग्रवाल ने कहा कि चौपला-बदायूं रोड फ्लाईओवर के नीचे रेलवे अंडरपास का निर्माण ही इस समस्या का स्थायी समाधान है। इससे जाम और दुर्घटनाओं से राहत मिलेगी और एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा। चौपला बदायूं रोड संघर्ष समिति में घोषणा करते हुए कहा कि जब तक अंडरपास का निर्माण नहीं होता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। डेढ़ लाख से अधिक आबादी को मिलेगा सीधा लाभ सुभाष नगर, नेकपुर, मढीनाथ, बदायूं रोड, रेलवे स्टेशन, बिहारीपुर और सिविल लाइंस की बेहतर कनेक्टिविटी फ्लाईओवर के घुमावदार रास्ते से मुक्ति कांवड़ यात्रियों को जाम और दुर्घटनाओं से राहत सुभाष नगर पुलिया बंद होने पर वैकल्पिक सुविधा प्रेस वार्ता के बाद पार्षद राजेश अग्रवाल के नेतृत्व में संघर्ष समिति के सदस्य बसों और कारों से तख्तियां लेकर डीआरएम कार्यालय, इज्जतनगर पहुंचे। पुलिस द्वारा रोकने के प्रयास के बावजूद नारेबाजी जारी रही। इसके बाद डीआरएम वीना सिन्हा स्वयं बाहर आईं और ज्ञापन प्राप्त किया। डीआरएम ने आश्वासन दिया कि अंडरपास निर्माण का प्रस्ताव संबंधित अधिकारियों और मंत्रालय को जल्द भेजा जाएगा, ताकि जनहित में उचित निर्णय लिया जा सके। प्रमुख रूप से मौजूद रहे मंजू शर्मा, किरन तोमर, विमला, प्रेम सिंह, सुरजीत सिंह छाबड़ा, सुमित जायसवाल, शोभित सिंह, पंकज कश्यप, छोटेलाल शर्मा, संजीव चौहान, महेश बाबू, अमर, हरीश, एम.के. गोयल, सुशील, सोनू कश्यप, मिथुन, सागर, छेदा लाल, अतुल भारती, सचिन शर्मा सहित काफी संख्या मे उपस्थित रहे।

# फसल बीमा योजना के तहत 10 किसानों को मिला मुआवजा

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत- पीलीभीत, 04 मई। गांधी सभागार, कलेक्ट्रेट पीलीभीत में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में बरखेड़ा विधायक स्वामी प्रवक्तानंद ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के अंतर्गत 10 किसानों को फसल क्षति के क्लेम के चेक वितरित किए। इस दौरान राम रतन को 68,115, रामलाल को 71,450, गंगा देवी को 38,906, राम श्री को 1,31,621, बाबूराम को 33,348, लालाराम को 55,691, गुरप्रीत सिंह को 60,114, राजपाल सिंह संधू को ?44,525, राधेश्याम को 71,599 तथा कढ़ेर को ?42,182 की क्षतिपूर्ति राशि प्रदान की गई। बताया गया कि यह राशि इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा सीधे किसानों के बैंक खातों में भेजी गई है। र्यक्रम में डी.डी. एग्रीकल्चर राम मिलन सिंह परिहार, जिला कृषि अधिकारी नरेंद्र पाल, उपसम्भागीय अधिकारी कौशल किशोर तथा बीमा कंपनी के जिला समन्वयक महेन्द्र भारती सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

# वर्षा से पहले ड्रेनों की सफाई पूरी करें: डीएम ने दिए सख्त निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में नहरों, रजवाहों और ड्रेनों की सिल्ट सफाई एवं कार्य योजना के अनुमोदन को लेकर गठित समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने अधिशासी अभियंता रोहिलखंड नहर को स्पष्ट निर्देश दिए कि वर्षा ऋतु से पहले ड्रेनों की सिल्ट सफाई से जुड़े सभी अधूरे कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने जनपद की सभी नदियों के जलस्तर की नियमित निगरानी करने के निर्देश भी दिए, ताकि संभावित जलभराव या बाढ़ जैसी स्थितियों से समय रहते निपटा जा सके। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देशित किया कि जनपद में तालाबों की खुदाई का कार्य मनरेगा योजना के अंतर्गत ही कराया जाए। साथ ही, बरेली में बने अमृत सरोवरों को प्राथमिकता के आधार पर भरवाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, अधिशासी अभियंता रोहिलखंड नहर सर्वेश चंद्र सिन्हा सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

# औचक निरीक्षण में खुली लापरवाही की परतें: वृद्धाश्रम और बालिका विद्यालय की बदहाल व्यवस्था पर फूटा गुस्सा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली । उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्या पुष्पा पांडे ने सोमवार को लाल फाटक स्थित वृद्धा आश्रम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां रह रहे वृद्धजनों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। निरीक्षण में कई गंभीर खामियां सामने आईं। कई वृद्धजन ऐसे पाए गए जिन्हें अब तक पेंशन का लाभ नहीं मिल रहा है। आश्रम के कमरे छोटे होने के बावजूद वहां रहने वाले लोगों की संख्या अधिक है, जिससे असुविधा की स्थिति बनी हुई है। सबसे चिंताजनक बात यह रही कि वृद्धजनों के नियमित स्वास्थ्य परीक्षण के लिए किसी डॉक्टर की व्यवस्था नहीं है। हालांकि, खान-पान की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। इन कमियों को लेकर माननीय सदस्या ने कड़ा रोष व्यक्त किया और संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि व्यवस्थाओं में जल्द से जल्द सुधार सुनिश्चित किया जाए। इसके बाद श्रीमती पुष्पा पांडे ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय, क्यारा का भी औचक निरीक्षण किया। यहां उन्होंने छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं को जाना। निरीक्षण में यह सामने आया कि पिछले दो वर्षों से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा विद्यालय का कोई निरीक्षण नहीं किया गया है। विद्यालय में सुरक्षा के लिए कोई गार्ड तैनात नहीं है, जिससे छात्राओं की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। परिसर में अत्यधिक बढ़ी हुई झाड़ियों के कारण कीड़े-मकोड़ों और मच्छरों का खतरा बना हुआ है। इसके अलावा विद्यालय में संसाधनों की भारी कमी देखने को मिली। कक्षा 8 तक की छात्राओं के लिए केवल चार कंप्यूटर उपलब्ध हैं, वहीं छात्राओं की संख्या के मुकाबले बैड भी कम हैं। स्वास्थ्य जांच के लिए कोई डॉक्टर नामित नहीं है और बिजली की समस्या भी बनी रहती है। इन सभी खामियों को लेकर माननीय सदस्या ने गहरी नाराजगी जताई और संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का शीघ्र समाधान कराया जाए, ताकि वृद्धजनों और छात्राओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें।

# 09 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत, अधिक से अधिक वाद निस्तारण का लक्ष्य

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविंद कुमार /पीलीभीत- पीलीभीत। उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशों के अनुपालन में जनपद पीलीभीत में 09 मई 2026 को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। यह आयोजन प्रात: 10÷00 बजे से सांय 5÷00 बजे तक दीवानी न्यायालय परिसर पीलीभीत, ग्राम न्यायालय पूरनपुर तथा बाह्य न्यायालय बीसलपुर में संपन्न होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पूर्णकालिक सचिव अरुण कान्ति यशोदास ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि लोग अपने वादों का निस्तारण आपसी सुलह-समझौते के आधार पर कराकर लोक अदालत का लाभ उठाएं। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी। ,राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के लिए सोमवार को जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण पीलीभीत रविन्द्र कुमार चतुर्थ द्वारा न्यायालय परिसर से प्रचार-प्रसार वाहन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान अपर जनपद न्यायाधीश रामकिशोर एवं सचिव अरुण कान्ति यशोदास सहित अन्य न्यायिक अधिकारी मौजूद रहे।

प्रचार-प्रसार वाहन 04 मई से 08 मई तक जनपद की सभी तहसीलों में भ्रमण कर लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति जागरूक करेगा। पराविधिक स्वयंसेवक पंकज माथुर व महेंद्र पाल आमजन को लोक अदालत में अपने मामलों के समाधान हेतु प्रेरित करेंगे, ताकि अधिक से अधिक लोग इस अवसर का लाभ उठा सकें।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

## संक्षिप्त समाचार

### सुभाषनगर पुलिस ने 2 किलो अवैध अफीम के साथ युवक गिरफ्तार, पंजाब ले जाकर बेचने की थी तैयारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / जनपद बरेली के थाना सुभाषनगर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से 2 किलो अवैध अफीम, एक मोबाइल फोन और 620 रुपये नकद बरामद किए हैं। सुभाषनगर पुलिस टीम द्वारा नियमित चेकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर अंधी पुलिया के पास से आरोपी को दबोच लिया गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान सलीम अंसारी (35 वर्ष ) निवासी ग्राम करेली, चौकी करगैना, थाना सुभाषनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ थाना सुभाषनगर में मुकदमा संख्या 282/2026, धारा 8/18 एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जा रहा है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथी मुशयद के साथ मिलकर अफीम एक अज्ञात बाइक सवार से खरीदी थी। दोनों इसे बेचने के लिए पंजाब जा रहे थे, लेकिन पुलिस कार्रवाई के दौरान उसका साथी मौके से फरार हो गया। इस कार्रवाई में थाना सुभाषनगर प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार नैन सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्यों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

### बरेली के हस्तशिल्पियों के लिए सुनहरा मौका: 28 जुलाई तक करें आवेदन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। प्रदेश सरकार की महत्त्वाकांक्षी विशिष्ट हस्तशिल्प प्रादेशिक पुरस्कार योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2026-27 में जनपद बरेली के प्रतिभाशाली हस्तशिल्पियों को सम्मानित किया जाएगा। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र ने जानकारी देते हुए बताया कि इस योजना के अंतर्गत राज्य हस्तशिल्प पुरस्कार एवं दक्षता हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। इच्छुक अभ्यर्थी अपना आवेदन पत्र 28 जुलाई 2026 तक कार्यालय में जमा कर सकते हैं। यह योजना जनपद के हस्तशिल्पियों के उत्थान और प्रोत्साहन के उद्देश्य से चलाई जा रही है। आवेदक की आयु कम से कम 25 वर्ष होनी चाहिए हस्तशिल्प क्षेत्र में न्यूनतम 5 वर्ष का अनुभव आवश्यक हस्तशिल्प विकास आयुक्त (वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा जारी पहचान पत्र अनिवार्य प्रस्तुत कलाकृतियाँ स्वयं आवेदक द्वारा बनाई गई हों आवेदक का बरेली का निवासी होना जरूरी राज्य हस्तशिल्प पुरस्कार केवल एक बार ही दिया जाएगा जिला उद्योग प्रोत्साहन एवं उद्यमिता विकास केन्द्र, 34 सिविल लाइन्स, बरेली में संपर्क किया जा सकता है।

### उत्तर प्रदेशीय विद्यालय निरीक्षक संघ बरेली शाखा की नई कार्यकारिणी गठित पदाधिकारियों को मिली बधाइयाँ

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। उत्तर प्रदेशीय विद्यालय निरीक्षक संघ की बरेली शाखा की नई कार्यकारिणी का गठन कर दिया गया है। संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से विभिन्न पदों पर पदाधिकारियों की नियुक्ति की गई है। नई कार्यकारिणी में अवनीश प्रताप सिंह को अध्यक्ष, राजेश कुमार को मंत्री और सुनील कुमार शर्मा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं शशांक शुक्ला को संगठन मंत्री तथा जगदीश कुमार को मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके अलावा विवेक शर्मा को वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पूरन सिंह को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सदस्य के रूप में सतीश वर्मा, भानू शंकर गंगवार, दिनेश चंद्र जोशी, तौसीफ अहमद, शीशपाल, सत्यदेव, विजय कुमार और मुकेश कमल भारती को मनोनीत किया गया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# फर्रुखाबाद में अज्ञात हमलावरों ने दिया घटना को अंजाम, दूसरा गंभीर रूप से झुलसा

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / अब विस्तार से पढ़िए पूरा मामला कंपिल थाना क्षेत्र के गांव राईपुर चिनहटपुर में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। सुबह करीब 4.30 बजे अज्ञात हमलावरों ने खेत में बनी झोपड़ी में आग लगाकर दो किसानों किसान ओमकार बहेलिया (48) की जिंदा जलकर (60) गंभीर रूप से झुलस गए हैं। जानकारी के के लिए गांव से लगभग चार किलोमीटर दूर स्थित ने झोपड़ी में आग लगा दी। आग लगने पर दोनों ने तरह से झोपड़ी से बाहर निकलकर गांव पहुंचे, लेकिन उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कायमगंज में भर्ती कराया। चौधरी, क्षेत्राधिकारी कायमगंज अजय वर्मा मौके पर का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने घटना स्थल से बीते 5 वर्षों से गांव के ही सतीश राठौर और एचएस जानवरों से फसल की रखवाली के लिए वह रोज घटनास्थल पर पहुंचे मृतक की पत्नी गीता देवी सहित गया। मृतक ओमकार अपने पांच भाइयों में दूसरे नंबर घटना को तीन आरोपियों ने दिया अंजाम – रामौतार बताया कि ओमकार बहेलिया और मैं रोज की तरह आग लग गई। आग लगने पर दोनों लोग ने बाहर अज्ञात व्यक्ति मौके पर मौजूद थे, जिन्होंने उन्हें झोपड़ी फरार हो गए। गांव राईपुर चिनहटपुर से करीब 4 के कारण रास्ते पर कीचड़ जमा हो गया, जिससे में दिक्कत हुई। दमकल की गाड़ी गांव तो पहुंची लेकिन पर काबू पा लिया गया है। शव को बैलगाड़ी के जरिए ने निष्पक्ष कार्रवाई की मांग मृतक के बड़े पुत्र रामनिवास तरह रविवार शाम खाना खाने के बाद फसल की

को जिंदा जलाने की कोशिश की। इस घटना में मौके पर ही मौत हो गई, जबकि रामौतार यादव अनुसार, दोनों किसान अपने खेतों की रखवाली झोपड़ी में सो रहे थे। उसी समय अज्ञात व्यक्तियों बाहर निकलने की कोशिश की। रामौतार किसी गंभीर रूप से झुलस गए थे। तत्काल परिजनों ने घटना की सूचना पर कंपिल थानाध्यक्ष नितिन पहुंचे। परिजनों से जानकारी ली और घटनास्थल साक्ष्य जुटाए। मृतक ओमकार बहेलिया करीब पाठक का खेत बटाई पर कर रहे थे। अन्ना शाम को जाते थे और सुबह घर चले आते थे । सभी परिजनों का रो –रो कर बुरा हाल हो पर थे। मृतक के चार पुत्र और दो बेटियां हैं । घटना में गंभीर रूप से झुलसे रामौतार यादव ने खेत गए थे। देर रात अचानक हमारी झोपड़ी में निकलने की कोशिश की। घटना के समय तीन में धक्का दिया। घटना के बाद आरोपी मौके से किलोमीटर दूर खेतों में झोपड़ी स्थित थी। बारिश पुलिस और ग्रामीणों को घटनास्थल तक पहुंचने घटनास्थल तक नहीं पहुंच पाई, हालांकि आग मुख्य मार्ग तक लाया गया। मृतक के बड़े पुत्र ने बताया कि उनके पिता ओमकार रोज की रखवाली के लिए खेत गए थे। उन्होंने बताया कि ओमकार पिछले पांच वर्षों से गांव के सतीश राठौर के खेत को बटाई पर कर रहे थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे उन्हें घटना की जानकारी मिली। रामनिवास के अनुसार, परिवार की किसी से कोई रंजिश नहीं है और उन्होंने पुलिस से मामले में निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग की है। मामले में पुलिस का बयान- थानाध्यक्ष नितिन चौधरी और सीओ अजय वर्मा सहित पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने बताया मामला संदिग्ध है हर एंगल से जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। घटनास्थल से फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटा लिया है। अभी तक घटना के संबंध में कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है । तहरीर मिलते ही मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

# भारतीय जनता पार्टी ( भाजपा ) के शानदार प्रदर्शन और सरकार बनने की खुशी में फर्रुखाबाद के कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / फर्रुखाबाद पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी के विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के शानदार प्रदर्शन और सरकार बनने की खुशी में फर्रुखाबाद के कार्यकर्ताओं ने जमकर जश्न मनाया। शहर नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी की, एक-दूसरे और गगनभेदी नारेबाजी शाम करीब 6 बजे आवास फर्रुखाबाद के सांसद मुकेश राजपूत, अमृतपुर विधायक उपाध्यक्ष जितेंद्र सिंह और वरिष्ठ भाजपा नेता वीरेंद्र सिंह उत्साह देखते ही बन रहा था। कार्यक्रम के दौरान मोदी हुआ हमारा है, अब यूपी की बारी है* जैसे नारे प्रमुखता झंडा फहराया, जिसके बाद जोरदार आतिशबाजी से संभवत सांसद इस अवसर पर सांसद मुकेश राजपूत ने की जनता तथा वहां दिन-रात मेहनत करने वाले संबोधित करते हुए कहा, आज पूरे देश की आस्था लोकप्रिय नेता हैं और उनके कुशल नेतृत्व में ही देश का की जनता भाजपा को प्रचंड बहुमत दे रही है। दक्षिण सांसद ने कहा, मैं देश के लोगों का भी आभार व्यक्त जाता था कि भाजपा की सरकार सिर्फ उत्तर प्रदेश और जहां हमारा खाता तक नहीं खुलता था, वहां भी प्रचंड और केरल की जनता का हृदय से आभार। उन्होंने पार्टी

के आवास विकास तिराहा पर बड़ी संख्या में एकत्रित होकर भाजपा को लड्डू खिलाए और विजय ध्वज फहराया। दिग्गजों का जमावड़ा विकास तिराहे पर जश्न का माहौल अपने चरम पर था। इस मौके पर सुशील शाक्य, सदर विधायक मेजर सुनील दत्त द्विवेदी, भाजपा जिला राठौर सहित पार्टी के कई प्रमुख चेहरे उपस्थित रहे। कार्यकर्ताओं का जिंदाबाद, जय श्री राम, भारत माता की जय के साथ-साथ बंगाल तो से गूंजते रहे। सांसद मुकेश राजपूत ने पूरे उत्साह के साथ भाजपा का आसमान गूंज उठा। देश का कल्याण सिर्फ पीएम मोदी के नेतृत्व में चुनाव वाले राज्यों- पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, असम और तमिलनाडु कार्यकर्ताओं का विशेष आभार व्यक्त किया। उन्होंने जनसमूह को भारतीय जनता पार्टी के साथ है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विश्व के सबसे कल्याण संभव है। धीरे-धीरे जिन भी राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां भारत में भी खिल रहा कमल%- अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए करता हूं जिन्होंने भाजपा को पूर्ण रूप से स्वीकार किया है। पहले कहा उसके आसपास के राज्यों में ही बनती है। लेकिन अब दक्षिण भारत में, बहुमत से भाजपा आगे बढ़ रही है। इसके लिए बंगाल, असम, पुडुचेरी के शीर्ष नेतृत्व का भी धन्यवाद किया और %वंदे मातरम% के जयघोष के साथ अपना संबोधन समाप्त किया। जश्न में इनकी भी रही मौजूदगी विजय के इस उत्सव में राजेपुर ब्लाक प्रमुख पल्लव सोमवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष सत्यपाल सोमवंशी, पूर्व जिलाध्यक्ष भूदेव राजपूत, जिला मीडिया प्रभारी शिवांग रस्तोगी और अमृतपुर विधायक के पुत्र संदीप शाक्य सहित भारी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। जीत की इस खुशी में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कराने के साथ-साथ झाल-पूड़ी का भी आनंद लिया।

# मुरादाबाद मंडल में झमाझम बारिश: चंदौसी में बिजली गिरने से ढही छत, मलबे में दबकर छात्रा की मौत; दंपती जख्मी

जुनावई के काशीपुर गांव में बारिश के दौरान बिजली गिरने से मकान की छत गिर गई। इसमें दबकर 11 वर्षीय छात्रा की मौत हो गई। इससे गांव में कोहराम मच गया है। संभल जिले के जुनावई थाना क्षेत्र के गांव काशीपुर में सोमवार तड़के तेज बारिश के दौरान बिजली गिरने से कच्चे मकान की छत गिर गई। हादसे में मलबे में दबकर कक्षा पांच की छात्रा रश्मि (11) की मौत हो गई। दीपक और उसकी पत्नी रजनी घायल हो गए। गांव निवासी विजयपाल भट्टे पर मजदूरी करते हैं।उनकी पत्नी का दो वर्ष पहले निधन हो चुका है। रविवार रात घर के कमरे में विजयपाल की बेटी रश्मि, बेटा दीपक और पुत्रवधु रजनी सो रहे थे। सोमवार तड़के करीब तेज बारिश के बीच बिजली गिरने से मकान की छत भरभराकर गिर गई, जिससे तीनों मलबे में दब गए।शोर सुनकर मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने मलबा हटाकर तीनों को बाहर निकाला। रश्मि को मृत पाया गया जबकि घायल दीपक और रजनी को उपचार के लिए भेजा गया है। सूचना पर पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। राजस्व विभाग द्वारा नुकसान का आकलन किया जा रहा है और पीड़ित परिवार को राहत दिलाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उधर, मुरादाबाद जिले में भी आई आंधी और बारिश से कई स्थानों पर बिजली आपूर्ति बाधित रही। तेज हवाओं और बारिश के कारण हाईवे पर यातायात भी प्रभावित हुआ।

## पश्चिम बंगाल परिणाम: ममता बनर्जी का बड़ा आरोप, बोलीं- BJP ने लूटीं 100 सीटें, चुनाव आयोग उनका; हम वापसी करेंगे

श्चिम बंगाल में टीएमसी की सीटों में गिरावट के बाद ममता बनर्जी ने भाजपा पर चुनावी धांधली और संस्थानों के दुरुपयोग का आरोप लगाया है। उन्होंने इसे जनता का फैसला नहीं बल्कि %सीटों की लूट% करार देते हुए भविष्य में दमदार वापसी की बात कही है।पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों में पिछड़ने के बाद की सुप्रीमो ममता बनर्जी ने राज्य में टीएमसी की जमीन और चुनाव आयोग पर तीखा स्पष्ट शब्दों में कहा कि उनकी नहीं है और वे जोरदार वापसी कहा?

मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस आक्रामक रुख अपना लिया है। खिसकने के बाद उन्होंने भाजपा हमला बोला है। ममता बनर्जी ने पार्टी इस हार से घबराने वाली करेंगे।सीएम ममता ने क्या-क्या

ममता बनर्जी ने कहा, %भाजपा ने 100 से ज्यादा सीटें लूटी हैं। चुनाव आयोग अब भाजपा का कमीशन बन चुका है। मैंने इस संबंध में चुनाव अधिकारी और मनोज अग्रवाल से भी शिकायत की थी, लेकिन उन्होंने कोई कार्रवाई नहीं की।% दीदी ने इस जीत की वैधता पर सवाल उठाते हुए इसे लोकतंत्र के खिलाफ बताया। ममता बनर्जी ने आगे कहा, %क्या आपको लगता है कि यह कोई जीत है? यह एक अनैतिक जीत है, नैतिक जीत नहीं है। चुनाव आयोग ने प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और केंद्रीय बलों के साथ मिलकर जो कुछ भी किया है, वह पूरी तरह से अवैध है। यह सिर्फ लूट, लूट और लूट है। हम फिर से वापसी करेंगे।% एंटी-इंकंबेंसी और ध्रुवीकरण की लहर

15 साल के लंबे शासन के बाद टीएमसी को राज्य में भारी सत्ता विरोधी लहर का सामना करना पड़ा। जमीन पर पार्टी के प्रति जनता में असंतोष, भ्रष्टाचार के आरोप और आर्थिक पिछड़ेपन जैसे मुद्दों ने मतदाताओं को विकल्प तलाशने पर मजबूर किया। इसके साथ ही, चुनाव में धार्मिक ध्रुवीकरण एक बड़ा कारक बनकर उभरा। भाजपा की ओर से लगाए गए तुष्टिकरण के आरोपों और हिंदू मतों के बड़े पैमाने पर एकीकरण ने टीएमसी के पारंपरिक वोट बैंक में बड़ी सेंध लगाई, जिससे पार्टी कई मजबूत गढ़ों में पिछड़ गई। इतना ही नहीं, पार्टी के भीतर आंतरिक कलह और पुराने सहयोगियों का साथ छोड़ना टीएमसी के लिए भारी पड़ा। अभिषेक बनर्जी की ओर से दी गई आंतरिक चेतावनियों के बावजूद गुटबाजी और स्थानीय स्तर पर नेताओं के व्यवहार से जनता में नाराजगी बनी रही। वहीं, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच बदलती प्राथमिकताओं और मतदाताओं की नई आकांक्षाओं को पढ़ने में विफलता ने टीएमसी की सीटों के आंकड़े को काफी नीचे धकेल दिया।

## संक्षिप्त समाचार

### शिवपुरी में स्वच्छता अभियान तेज, पॉलिथीन जप्ती और अव्यवस्था पर सख्त कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, शहर में बढ़ती गंदगी एवं अव्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा ने स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर पालिका और नगर परिषद के सीएमओ को सफ़ाई अभियान के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार नगर पालिका शिवपुरी द्वारा विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान का नेतृत्व नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी सीएमओ इशांक धाकड़ द्वारा किया गया। प्रात: 7 बजे से प्रारंभ हुए इस अभियान के तहत माधव चौक से फिजिकल क्षेत्र तक व्यापक सफाई एवं निरीक्षण कार्य किया गया। इस दौरान माधव चौक स्थित दुकानों पर प्रतिबंधित प्लास्टिक पॉलिथीन के उपयोग के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए पॉलिथीन जप्त की गई। साथ ही जिन दुकानदारों द्वारा अपने प्रतिष्ठानों के सामने गंदगी फैलाई जा रही थी, उन्हें सख्त हिदायत देते हुए स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए गए।अभियान के दौरान जूस सेंटर, चाय स्टॉल, पान दुकानों एवं होटल संचालकों को अनिवार्य रूप से कचरा पात्र रखने के निर्देश दिए गए। नगर पालिका टीम द्वारा पैदल मार्च करते हुए आमजन एवं व्यापारियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। इसी क्रम में मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा ठेला चालकों को सख्त निर्देश दिए गए कि वे अपने ठेले मुख्य सड़क पर न लगाएं, जिससे यातायात व्यवस्था बाधित होती है। उन्हें अपने ठेले निर्धारित स्थानों पर पीछे लगाने हेतु समझाइश दी गई। जो ठेले सड़क पर आगे पाए गए, उन्हें तत्काल हटवाकर पीछे करवाया गया तथा भविष्य में नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए। अभियान के दौरान लापरवाही बरतने वाले क्षेत्रीय दरोगा के विरुद्ध भी सख्त कार्रवाई करते हुए एक दिन का वेतन काटा गया। प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि स्वच्छता एवं व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी प्रकार की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी।

### आजम खां और अब्दुल्ला की सजा बढ़ाने की अपील पर 15 को सुनवाई, दो पेन कॉर्ड मामले में खारिज हो चुकी है याचिका

सपा नेता आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में सुनाई गई सजा को बढ़ाने के मामले दायर अपील पर सोमवार को बचाव पक्ष की ओर से स्थगन प्रार्थना पत्र दिया गया। इस पर कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई के लिए 15 मई की तारीख तय की है।सपा नेता अब्दुल्ला आजम के दो पैन कार्ड मामले में मजिस्ट्रेट कोर्ट ने पिछले दिनों आजम खां और अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की कैद व 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इस मामले में बचाव पक्ष की ओर से सजा के

खिलाफ और अभियोजन की ओर से सजा बढ़ाए जाने को लेकर एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में अपील दायर की गई है।इस मामले में एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट की ओर से सुनवाई की गई।

एडीजीसी सीमा राणा एवं अभियोजन अधिकारी स्वदेश शर्मा ने बताया कि एमपी-एमएलए सेशन कोर्ट में आजम और अब्दुल्ला की सजा बढ़ाने सजा के मामले में दायर अपील पर बचाव पक्ष की ओर से स्थगन प्रार्थना पत्र दिया गया। इस पर कोर्ट ने सुनवाई के लिए 15 मई की तारीख तय कर दी। आजम के दो अन्य मामलों में नहीं हो सकी सुनवाई- डूंगरपुर बस्ती को खाली कराने के नाम पर मारपीट और लूटपाट व पालिका की सफाई मशीन मामले में कोर्ट में सोमवार को सुनवाई नहीं हो सकी। डूंगरपुर मामले में 15 व सफाई मशीन मामले में 11 मई को सुनवाई होगी।

तत्कालीन डीएम पर टिप्पणी के मामले में 16 को आ सकता है फैसला- सपा नेता आजम खां के खिलाफ तत्कालीन डीएम को लेकर दिए गए आपत्तिजनक बयान का मामला फैसले के करीब पहुंच गया है। सोमवार को इस मामले में दोनों पक्षों की बहस पूरी हो गई। अब कोर्ट 16 मई को इस मामले में फैसला सुना सकती है। यह मामला वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव का है। आजम खां पहली बार लोकसभा चुनाव लड़े थे। तब सपा और बसपा का गठबंधन था। चुनाव प्रचार के दौरान उनके खिलाफ जिले के विभिन्न थानों में आचार संहिता उल्लंघन के कई मुकदमे दर्ज हुए थे। इनमें से एक मुकदमा थाना भोट में दर्ज किया गया था। दरअसल, आजम खां का एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने तत्कालीन डीएम को तनखैया बताते हुए आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट में चल रही है। सोमवार को हुई सुनवाई में अभियोजन और बचाव पक्ष की बहस पूरी हो गई। अभियोजन अधिकारी स्वदेश शर्मा के अनुसार अब इस मामले की अगली सुनवाई 16 मई को होगी, जिस दिन कोर्ट फैसला सुना सकती है।

# बे-मौसम बारिश और ओलावृष्टि से चांदनी बिहारपुर में संकट

**तेंदूपत्ता व ईंट निर्माण कार्य प्रभावित, आम की फसल को भी भारी नुकसान**

बिहारपुर सूरजपुर जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में सोमवार को अचानक बदले मौसम ने जनजीवन

को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। दोपहर करीब 3 बजे तेज आंधी-तूफान के साथ जोरदार बारिश और ओलावृष्टि हुई, जिससे पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जहां एक ओर भीषण गर्मी से लोगों को राहत मिली, वहीं दूसरी ओर इस असमय बारिश ने ग्रामीणों, मजदूरों और तेंदूपत्ता संग्राहकों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। क्षेत्र में आगामी 10 मई से तेंदूपत्ता तोड़ाई का कार्य शुरू होने वाला है, जो ग्रामीणों की आजीविका का प्रमुख साधन है। लेकिन ओलावृष्टि के कारण हरे-भरे तेंदू पेड़ों के पत्तों में छेद होने की आशंका जताई जा रही है। यदि पत्ते क्षतिग्रस्त होते हैं तो उनकी गुणवत्ता प्रभावित होगी, जिससे संग्राहकों को मिलने वाला मूल्य भी घट सकता है। इससे हजारों परिवारों की आय पर सीधा असर पड़ने की संभावना है। वहीं, बिहारपुर क्षेत्र में बड़े पैमाने पर चल रहा कच्ची ईंट (एट) निर्माण कार्य भी बारिश की भेंट चढ़ गया। बारिश के कारण तैयार और अधबनी ईंटें भीगकर खराब हो गईं। कई स्थानों पर ईंटें गल गईं, जिससे ईंट भट्ठा संचालकों और मजदूरों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। इसके अलावा, तेज आंधी और ओलावृष्टि के कारण क्षेत्र में आम की फसल को भी भारी नुकसान हुआ है। इस बार पेड़ों में आम की अच्छी पैदावार हुई थी, लेकिन तेज हवाओं और ओलों के चलते बड़ी संख्या में कच्चे आम जमीन पर गिर गए। इससे किसानों और बागवानों को नुकसान झेलना पड़ रहा है। आंधी-तूफान के चलते कई जगहों पर पेड़-पौधों को भी क्षति पहुंची है। हालांकि किसी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है, लेकिन अचानक बदले मौसम ने लोगों में दहशत का माहौल जरूर बना दिया है। गौरतलब है कि पिछले कई दिनों से क्षेत्र में भीषण गर्मी पड़ रही थी। ऐसे में इस बारिश से तापमान में गिरावट आई और लोगों को गर्मी से राहत मिली, लेकिन यह राहत अब ग्रामीणों के लिए चिंता का कारण बन गई है।

# हर घर नल योजना की हकीकत: ग्रामीणों की दर्दभरी कहानी रोंगटे खड़े कर देने वाली सच्चाई

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ (कोंच जालौन)ग्राम फुलैला क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों में हर घर नल卐 योजना का नाम भले ही उम्मीद जगाता हो लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है गांवों में रहने वाले लोग आज भी पानी की बूंद-बूंद के लिए जूझ रहे हैं, जबकि कागजों में हर घर तक नल पहुंच चुका है ग्रामीणों का कहना है कि नल तो लगाए गए लेकिन उनमें पानी नहीं आता कई जगह पाइपलाइन अधूरी पड़ी है तो कहीं महीनों से सूखे नल केवल दिखावे का हिस्सा बने हुए हैं महिलाएं आज भी दूर-दराज के हैंडपंपों और कुओं से

पानी लाने को मजबूर हैं तपती धूप हो या कड़ाके की ठंड पानी की यह जंग हर दिन जारी है स्थिति इतनी गंभीर है कि कई घरों में पीने का साफ पानी तक उपलब्ध नहीं है बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है क्योंकि उन्हें भी पानी लाने में हाथ बंटाना पड़ता है बुजुर्गों और बीमार लोगों के लिए यह समस्या और भी कष्टदायक बन गई है ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि योजना का लाभ केवल कागजों तक सीमित रह गया है अधिकारियों और जिम्मेदार लोगों की लापरवाही के कारण लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद लोगों को राहत नहीं मिल पा रही कई बार शिकायतें करने के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई यह तस्वीर सिर्फ एक गांव की नहीं बल्कि कई ग्रामीण क्षेत्रों की सच्चाई को उजागर करती है हर घर नल का सपना आज भी अधूरा है, और लोग पूछ रहे हैं-आखिर कब मिलेगा उन्हें उनका हक यह खबर केवल एक समस्या नहीं दिखाती बल्कि सिस्टम पर भी सवाल खड़े करती है अगर समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया तो यह समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है।

## संक्षिप्त समाचार

# गौ वंश को मिला ठंडे जल का सहारा

क्यूँ न लिखूँ सच / अनिल कुमार / गंज बासौदा - भालबामोरा चैराहा के स्थानीय लोगो ने गौ वंश की सेवा भाव से शुध्य, ठंडे जल के तप रखे द्य चिलचिलाती तेज धुप गर्मी में गौ

वंश को आसानी से ठंडा जल पीने मिल सके द्य ठंडा पानी पीकर सड़क किनारे लगे आम के वृक्ष की छाय का आनंद लेते है द्य यह सुकून का सही आनंद वह व्यक्तियों को आशीर्वाद मिलता है जिन्होंने यह मुहीम प्रचलित की है द्य यह नजारा देखने से लोगो में प्रेम की भावना जाकृत होती है द्य ऐसी व्यवस्था प्रत्येक गांव में हो जाये तो गौ वंश के लिए काफी जिंदगी में सुकून मिल सकता है द्य

# बे मोसम वर्षा ओले हवा तेज गति से चलने से कई पेड़ धराशाई

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ 4 माई की शाम को ओले हवा पानी ने मचाई तबाई किसान हुए विशेष

परेशान, गेहूं तुलाई के लिए लगा है लईन मे सोसाइटियों के वेयरहाउसौ पर एक-एक हफ्ता हो गया लाइन में लगे हुए तेज हवा ओले पानी ने कि तबाई ।

# विरोध प्रदर्शन स्थगित

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ बिदिशा - एस ए टी आई पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में वेतन न मिलने के कारण कर्मचारीयों का विरोध प्रदर्शन एवं हड़ताल आज प्राचार्य द्वारा सभी

कर्मचारियों का वेतन इस हफ्ते में दिए जाने के आश्वासन के बाद छात्र हित को ध्यान में रखते हुए आज स्थगित कर दिया गया है। पिछले 28 दिनों से जारी हड़ताल के कारण एवं सुप्रीम कोर्ट के आदेशानुसार संस्था में अप्रैल 2000 से पूर्व शासन के स्वीकृत पदों पर कार्यरत कर्मचारीयों को शासन के नियमानुसार वेतन भुगतान हेतु शासन द्वारा 9 करोड़ रुपए स्वीकृत किया गया है। इस भुगतान हेतु एस व्ही पॉलिटेक्निक भोपाल को नोडल केंद्र बनाया गया है। वर्ष 2000 के बाद नियुक्त कर्मचारीयों के नियमित भुगतान हेतु प्रबंधन स्तर पर शासन द्वारा ग्रांट दिए जाने हेतु प्रयास किए जा रहे हैं। सभी कर्मचारियों द्वारा विदिशा की धरोहर को बचाने के लिए, हड़ताल में सहयोग किए जाने हेतु विदिशा व्यापार महासंघ, विदिशा अभिभाषक संघ, विभिन्न कर्मचारी संगठनों, विभिन्न राजनीतिक संगठनों तथा छात्र संगठनों को धन्यवाद दिया गया एवं आगे भी इसी तरह सहयोग की अपेक्षा की गई। सभी कर्मचारियों ने विशेष रूप से विदिशा प्रेस ब्यूरो एवं सभी पत्रकार बंधुओ प्रिंट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को भरपूर मीडिया कवरेज दिए जाने हेतु बहुत-बहुत धन्यवाद प्रेषित किया।

# 28 दिनों से चल रहा

## महिलाओं की जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार, 'सशक्त नारी-सशक्त देश' थीम की उपलब्धियों का प्रदर्शन होर्डिंग के माध्यम से

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ जनसंपर्क विभाग द्वारा शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आमजन तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाने हेतु विभिन्न माध्यमों का उपयोग किया जा रहा है। विभाग द्वारा विशेष रूप से सशक्त नारी, सशक्त देश की थीम को रेखांकित करते हुए महिलाओं से संबंधित उपलब्धियों एवं योजनाओं को शहर के प्रमुख चैराहों पर फ्लेक्स होर्डिंग्स के माध्यम से प्रदर्शित किया जा रहा है। इन होर्डिंग्स के जरिए महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं, सफलताओं और सरकारी पहल को प्रमुखता से दर्शाया गया है।इस पहल का उद्देश्य नागरिकों, विशेषकर महिलाओं को शासन की योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित करना है। जनसंपर्क विभाग द्वारा विभिन्न माध्यमों के जरिए भी योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके दिशा शहर के प्रमुख दस चैराहो पर लगाए गए होर्डिंग्स के माध्यम से उपलब्धियों को रेखांकित किया जा रहा है जिसमें बस स्टेण्ड चैराहे पर महिलाओं के सर्वांगींण विकास हेतु किए जा रहे प्रयासो में से प्रदेश में 12 करोड़ से अधिक शौचालयो का निर्माण कराया गया है जिससे महिलाओं ने पाई कठिनाईयों से मुक्ति, मेडिकल कॉलेज चैराहे पर प्रदर्शित फ्लेक्स में ''महिलाओं को सेना में भर्ती के लिए किए जा रहे प्रयास वंदे मातरम्'', इसी प्रकार शास्त्री नगर चैराहा, एसएटीआई गेट, सिविल लाइन रोड, हास्पिटल चैराहा, माधवगंज, पीतल मील चैराहा, इन्दिरा काम्प्लेक्स व अहमदपुर चैराहा पर महिलाओं के सर्वांगींण विकास हेतु किए गए सार्थक प्रयासो के परिणामो की उपलब्धियों को रेखांकित कर रहे है।

# फर्रुखाबाद में गंगा में डूबकर युवक की मौत

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप /जनपद फरूखाबाद उत्तर प्रदेश- फर्रुखाबाद में गंगा नदी पार करते समय एक 32 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। यह घटना रविवार शाम को मऊ दरवाजा

थाना क्षेत्र के अंतर्गत हुई। युवक तरबूज लेकर नदी के दूसरे किनारे से आ रहा था, तभी वह गहरे पानी में चला गया। मृतक की पहचान कटरी भीमपुर निवासी जयदेव के रूप में हुई है। जयदेव ने गंगा किनारे कटरी में पालेज की खेती की थी। रविवार शाम को वह अपनी खेती से तरबूज लेकर नदी पार कर रहा था। नदी में डूबने के बाद ग्रामीणों की मदद से उसे बाहर निकाला गया। बेहोशी की हालत में परिवार के लोग उसे लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी लेकर पहुंचे। वहां चिकित्सकों ने जयदेव को मृत घोषित कर दिया। परिजनों के अनुसार, जयदेव अपने भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी शादी हो चुकी थी और उसके दो बच्चे भी हैं। युवक की असामयिक मौत से परिवार में दुख का माहौल है। अस्पताल प्रशासन ने शव को मोर्चरी में रखवा दिया है।

# वन्देमातरम गीत से हुई कार्यदिवस की शुरुआत

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी, राज्य शासन द्वारा प्रत्येक माह के प्रथम कार्य

दिवस की शुरुआत पर वंदे मातरम गीत के आयोजन के निर्देश दिए गए थे निर्देशानुसार इस माह के प्रथम कार्य दिवस सोमवार को वंदे मातरम गीत से कार्य की शुरुआत की गई। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट अर्पित वर्मा सहित जिला पंचायत सीईओ विजय राज, अपर कलेक्टर दिनेश शुक्ला और कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में उपस्थित अन्य सभी अधिकारियों ने वन्देमातरम गीत का सामूहिक गायन किया। कलेक्टर अर्पित वर्मा ने कहा कि आगे भी प्रत्येक माह के प्रथम कार्यदिवस पर वंदे मातरम गीत का आयोजन जारी रहे। इस प्रकार के आयोजन से एक सौम्य वातावरण निर्मित होता है। यह एक अच्छी परंपरा है और शासन के निर्देश हैं।

# मूसलाधार बारिश व तेज हवाओं ने जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त

क्यूँ न लिखूँ सच / श्याम जी कश्यप / कायमगंज- क्षेत्र में सोमवार तड़के अचानक मौसम ने करवट ली और सुबह 5 बजे से शुरू हुई मूसलाधार बारिश व तेज हवाओं ने जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया। मई के महीने में पारा अचानक लुढ़क कर 21 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। महज डेढ़ घंटे की झमाझम बारिश से शहर के कई इलाके जलमग्न हो गए, जिसके चलते एहतियातन स्कूलों में छुट्टी घोषित करनी पड़ी। शहर के कई इलाके हुए जलमग्न रिश का असर नगर के प्रमुख मोहल्लों में साफ देखा गया। सधवाडा बजरिया, गल्ला मंडी, भूसा तिराहा, जटवारा, ट्रांसपोर्ट चौराहा और लाल कुआं जैसे इलाकों में घुटनों तक पानी भर गया। सड़कों पर हुए भीषण जलभराव के कारण कई बाइक सवारों के वाहन बीच रास्ते में ही बंद हो गए, जिससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। जलभराव से कोतवाली परिसर भी अछूता नहीं रहा। वहीं, कृषि उत्पादन मंडी समिति में सुबह-सुबह फल और सब्जियां लेकर पहुंचे किसानों को बारिश से बचने के लिए सुरक्षित स्थानों की तलाश करनी पड़ी। मंडी समिति में बड़ी लापरवाही- खुले में भीगा लाखों का गेहूं इस बेमौसम बारिश ने कृषि उत्पादन मंडी समिति स्थित सरकारी गेहूं खरीद केंद्र की बड़ी लापरवाही को भी उजागर कर दिया है। को ढकने के लिए तिरपाल डाली गई थी, लेकिन तेज हवाओं के कारण वह उड़ गई। उन्होंने इसका ठीकरा ठेकेदार पर फोड़ते हुए कहा कि ठेकेदार द्वारा समय पर गेहूं का उठान न किए जाने के कारण यह खुले में पड़ा था, जिससे यह नुकसान हुआ है। लगातार तीन दिनों की बारिश और सोमवार को दर्ज की गई 2.7 मिमी वर्षा से गेहूं के खराब होने की पूरी आशंका है, हालांकि अधिकारी अभी भी यह दावा कर रहे हैं कि तेज धूप निकलने पर गेहूं %ठीक% हो जाएगा। किसानों पर दोहरी मार- मक्का और आम की फसल बर्बाद इस बारिश और आंधी की सबसे बड़ी मार स्थानीय किसानों पर पड़ी है। खेतों में जलभराव हो जाने के कारण मक्का की फसल के गलने का खतरा पैदा हो गया है। वहीं, लगातार दूसरे दिन आई तेज आंधी से आम के बागों में भारी तबाही हुई है। पेड़ों से बड़ी मात्रा में फल टूटकर गिर गए हैं, जिससे आम उत्पादकों के लिए अब अपनी लागत निकाल पाना भी मुश्किल नजर आ रहा है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

# Relationship Advice: Why do you miss your ex after marriage? Learn about its impact on your relationship

**Missing your ex after marriage is a normal mental process, caused by old feelings, incomplete closure, or a habit of comparison. It doesn't necessarily mean you're dissatisfied with your current relationship, but it's important to handle it wisely. Marriage is an important chapter in life, where two people enter into a relationship and begin to create new memories together. But sometimes, in the midst of this new journey, memories of past relationships start to creep in. You may love your spouse deeply, but you still find yourself missing your ex or former love. This experience can be confusing for many and can also lead to guilt. People begin to wonder whether they're being completely honest with their current relationship. In fact, missing your ex isn't always a sign that you're unhappy with your current partner. It can also be a normal psychological process where our minds periodically revisit old memories and feelings. However, if these memories become too dominant, they can impact your married relationship. Through this article, understand why you miss your ex after marriage, and what the psychological or emotional reasons might be. Also, understand whether it will affect your relationship. Even if you want to let go of your ex-partner, learn how to keep your current relationship strong. Unfinished feelings - The biggest reason for missing your ex-partner even after marriage is unfinished feelings. This means that if your previous relationship ended without closure, those feelings may linger. If you loved someone and wanted to be with them, but for some reason, marriage couldn't happen, you still keep that relationship and feelings in your mind from time to time, which often become memories and come back into your married life. After marriage, when life becomes stable, the mind begins to remember those unfinished moments. This is a kind of emotional backlog that resurfaces from time to time. The habit of comparing - Sometimes people unconsciously start comparing their ex and their current partner. This comparison starts with small things, such as behavior, habits, or romance. This comparison can gradually trigger memories of their ex. The brain's "nostalgia effect" - The nostalgia effect means getting lost in memories of the past and feeling happy and positive through those memories. It's human nature for the brain to often remember the good times and leave behind the bad experiences. This makes the good moments spent with your ex more vivid, making it seem like the relationship was better, even if it wasn't. Thinking about the good times keeps you from getting lost in those memories even in the present. Running into your ex - Sometimes, when your past comes to mind, old memories come back to mind. For example, mentioning your ex in a conversation with old friends. Seeing your ex happy or sad in your current life through social media, or suddenly encountering them at some point, can cause you to become lost in memories and the desire to know about their life repeatedly reminds you of them. Can missing your ex affect your marriage? If memories of your ex only come up occasionally, this is normal. However, if you begin to feel distant or emotionally disconnected from your current partner, it can create a rift in the relationship. In such a situation, self-reflection and open communication are essential. Being lost in memories of your ex while away from your spouse can further distance you from your current relationship. What should you do if you miss your ex? The most important thing is to understand why you miss your ex. There's nothing wrong with missing them. But if doing so is distancing you from your spouse, it's wrong. It's important to spend quality time with your partner. Make a mental effort to find closure. Understand your feelings, don't suppress them. Seek counseling if necessary. Train yourself to live in the present.**

# Obesity & Cancer: Obesity can cause not just one or two but 13 types of cancer; increasing body fat is a warning signal.

**Cancer cases are rapidly increasing, and a major reason behind this is our changing lifestyle. Obesity increases hormonal imbalances and inflammation in the body, which increases the risk of cancer. Studies have found that obesity can increase the risk of 13 types of cancer. The current mismatch between our comforts and health has gradually given rise to major problems. Poor diet and lifestyle, lack of physical activity and sleep, and increasing screen time have put our bodies at risk, where there are only risks. Increasing obesity among people is the most common example of this. Obesity is not limited to spoiling the body's appearance, but it is also considered a major cause of many serious and fatal diseases. Studies have found that increasing body fat is making us more vulnerable to chronic diseases like diabetes, high blood pressure, cholesterol, and even cancer. The condition of obesity increases hormonal imbalances, inflammation, and metabolic disorders in the body, which increases the risk of cancer manifold. In a recent study, experts have warned that obesity may contribute to not just one or two, but as many as 13 types of cancer. It would not be wrong to call obesity a free ticket to disease. Cancer Risk in Obese People - In a recent report, we highlighted how everything from children's uniforms to common household items is increasing the risk of cancer. In this context, experts have now warned that being overweight or obese can increase your risk of cancer. Experts at Oxford University found that obesity can increase the risk of at least 13 types of cancer. Based on this, experts have warned that losing weight alone is not enough. The study revealed that more than half of cancer patients in England are previously found to be obese. Experts say the role of obesity in this deadly disease is much greater than previously thought. What did the study reveal? Dr. Helen Crocker of the World Cancer Research Fund says, "This study highlights the importance of considering patients' current health, as well as their obesity history, when making major clinical decisions." A team led by cancer expert Professor Simon Lord found that previous overweight can significantly impact treatment success. They analyzed past BMI data from the digital health records of 79,271 patients. The results showed that obesity rates vary across different types of cancer. Cancers that commonly present with symptoms like unexplained weight loss and loss of appetite had lower rates of obesity at the time of initial treatment. These included pancreatic, gastroesophageal, bowel, and lung cancers, which affect infection-fighting white blood cells (WBCs). Obesity was more common at the beginning of treatment for uterine, breast, and skin cancer. Scientists believe that obesity can increase cancer risk by altering inflammation, metabolism, and hormone levels in the body. What do experts say? In 2016, the International Agency for Research on Cancer identified 13 types of cancer linked to obesity. Experts said this doesn't mean everyone who is overweight or has ever been obese will develop cancer. However, these conditions, combined with other conditions, can increase your risk. According to Cancer Research UK, maintaining weight control reduces the risk of 13 different types of cancer. Obese people have been shown to have an increased risk of these: Breast cancer (postmenopausal) Bowel cancer Kidney cancer Liver cancer Endometrial cancer Ovarian cancer Stomach cancer Thyroid cancer Esophagus cancer Gallbladder and pancreatic cancer Multiple myeloma Prostate cancer (advanced stages) Meningioma (brain tumor)**

# Budget Skincare Routine: Get a parlor-like glow for just 100 rupees! Learn about a cheap skincare routine

**A complete skincare routine can be created for 100 rupees by cleansing with gram flour, toning with rose water, moisturizing with aloe vera, and making a face pack with turmeric and yogurt. Nowadays, people spend thousands of rupees on expensive beauty products to achieve glowing and healthy skin. But did you know that skin can be improved for just 100 rupees? With a little wisdom and the right ingredients, you can give your skin a glow even on a budget. Homemade and easily available natural ingredients like gram flour, rose water, turmeric, and aloe vera are not only inexpensive but also extremely beneficial for the skin. These natural ingredients can make your skin clean, soft, and glowing without any side effects. If you also want to achieve healthy and glowing skin at a low cost, then this article is for you. Here, we'll share a skincare routine you can easily adopt for just ?100 and achieve impressive results. Cleansing - There's no need to spend on expensive products or face washes to cleanse your skin. You can simply cleanse your face and body with gram flour. Gram flour acts as a natural cleanser. To make a homemade cleanser, mix a teaspoon of gram flour with water or milk and apply it to your face. Then, massage gently and rinse. This removes dirt and oil from the skin. Toning - Toning is an important part of your skincare routine. A good toner balances the skin's pH level and helps remove excess dirt, oil, makeup, and other impurities. You can use rose water as a toner. Rose water is an excellent toner. After cleansing your skin, apply the rose water to your face with a cotton ball. It tightens the pores and keeps the skin fresh. Moisturizing- Use aloe vera gel as a moisturizer to keep the skin moisturized and hydrated. Aloe vera hydrates the skin. Apply a little of this gel on the face. It makes the skin soft and glowing. Face pack- Face pack on the face deeply cleanses the skin, nourishes it and absorbs excess oil as well as tightens the skin. If you want to apply a face pack on a budget, then apply turmeric and curd on the face. Mix a pinch of turmeric with a spoon of curd and apply it for 10 minutes. It makes the skin bright and clear.**

# Kareena Kapoor Khan shares vacation photos, shows adorable glimpses of Taimur and Jeh

**Kareena Kapoor Khan shared a stunning photo from her vacation. Fans are delighted to see the adorable glimpse of Taimur and Jeh in this photo. Bollywood actress Kareena Kapoor**

Khan is currently in the news for her upcoming film "Dayara." Meanwhile, Kareena shared a happy family moment with her two sons, Taimur Ali Khan and Jeh Ali Khan. Kareena posted a photo on her social media and captioned it "Mornings like old times." In the second story, she wrote "Good Morning." The first photo shows a beautiful corridor, with white pillars and vintage-style chairs. It looks magnificent and majestic. In the second photo, Taimur and Jeh are standing together in an open courtyard, enjoying the morning. Kareena and Saif's wedding: Kareena Kapoor and Saif Ali Khan married in a private ceremony in Mumbai on October 16, 2012. After five years of dating and living in a live-in relationship, the couple decided to get married. Kareena and Saif have two sons, Taimur and Jehangir. Their elder son, Taimur Ali Khan, was born in December 2016. Their younger son, Jehangir Ali Khan (Jeh), was born in February 2021. Kareena Kapoor Khan will next be seen in the film "Daayra," starring her and Prithviraj Sukumaran. Directed by Meghna Gulzar, the upcoming crime thriller is expected to release in theaters in June 2026. However, the film's shooting wrapped in December 2025.

# This actor wants to marry Manisha Rani, will propose on this condition; otherwise, they will remain friends.

**An actor has expressed his feelings for actress Manisha Rani. He says he will marry her if she becomes romantically involved. "The 50" contestant Manisha Rani often makes headlines for**

her social media posts. This time, she's in the news for a different reason. It's related to her marriage. An actor wants to marry her and has also expressed his feelings for her. This actor is none other than Siddharth Bhardwaj, who was a contestant with her on "The 50." Siddharth expressed his feelings for Manisha. In a interview, Siddharth expressed his conversation with Siddharth confessed his love for Manisha. In a "Manisha Rani is a very nice girl, Kannan, Siddharth Bhardwaj said, me. She has shed tears for me, which yet she is afraid of me. She has love for understands that I believe in shows that she cares for me." She also before, and so have I. I know she freedom. She's been betrayed in love similar feelings for her.' Siddharth has romantic feelings for me. I have further said, "I'm afraid that if I get will propose marriage. The actor and hurt her, I'll never be able to into a romantic relationship with her genuine girl. If I get into a romantic forgive myself. She's a very lively and her. She understands this. That's relationship with her, I'll propose to that even though I may seem bad to why girls like her like me. They realize we don't get married, this others, I have a very good heart." If said, "If our feelings are the same, relationship will continue - He further we'll remain friends. I'll definitely go we'll officially become a couple. If not, mind? Manisha hasn't yet expressed to her wedding." What's on Manisha's her feelings for Siddharth. Since "The 50" ended, she has consistently maintained that they are just good friends.

# Who was Jiva Mahala? Salman Khan played the role in 'Raja Shivaji'; his bravery became a popular saying

**Many films have been made on the life of Chhatrapati Shivaji Maharaj. Recently, 'Raja Shivaji,' directed and starring Ritesh Deshmukh, was released. This film is also in the news because**

Salman Khan plays the role of Jiva Mahala. Find out who Jiva Mahala was? While watching 'Raja Shivaji' in theaters, Salman Khan suddenly enters a scene wearing a saffron turban and saffron-colored attire. Loud whistles erupt in the hall. He plays Jiva Mahala in the film. This character appears as a cameo but plays a crucial role in moving the story forward. Who was Jiva Mahala? His bravery and martial skills are still praised in the Maratha Empire, and a saying about him is still popular. Learn more about Jiva Mahala in this news: What was Jiva Mahala's contribution? Jiva Mahala was a renowned figure in the history of the Maratha Empire. He was a great warrior. His loyalty to Chhatrapati Shivaji Maharaj was unwavering. He once saved Chhatrapati Shivaji's life. This incident occurred in 1659. Shivaji Maharaj met his rival, Afzal Khan, at the foot of Pratapgarh Fort. During their first meeting, Afzal attempted to assassinate the Maratha emperor. Jiva Mahala saved Chhatrapati Shivaji's life. He bravely fought his opponents. This is why a saying still popular in Maharashtra: "Hota Jiva Mhanun Vachala Shivaji." This means that Shivaji was saved because Jiva was there. A memorial was built after Jiva's death - Jiva was always renowned for his bravery. This warrior died in 1709. A memorial dedicated to Jiva's bravery was built in Ambavade, located in Pune, Maharashtra. Even today, Marathi people remember the bravery and loyalty of Jiva Mahala. Many Bollywood actors appeared in 'Raja Shivaji' - Apart from Ritesh Deshmukh and Salman Khan, many other Bollywood actors also appeared in important roles in the film 'Raja Shivaji'. This film includes many actors like Sanjay Dutt, Abhishek Bachchan, Mahesh Manjrekar, Sachin Khedekar, Bhagyashree, Fardeen Khan, Amol Gupte, Vidya Balan, Boman Irani.